राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-65 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर केक ले जाते दिखा शख्स, वीडियो वायरल

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुरुवार को नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर नाटकीय दृश्य दिखाई दिया। एक व्यक्ति केक का डिब्बा लेकर उच्चायोग की ओर बढ़ता दिखा, जिससे उच्चायोग में मौजूद सुरक्षाकर्मी सतर्क हो गए। यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और इसकी नीयत पर तरह-तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। उच्चायोग के बाहर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। वहीं, सोशल मीडिया पर व्यक्ति की वीडियो, जो कि केक का डिब्बा लेकर उच्चायोग का रुख किया, वायरल हो गई। एक यूज़र ने लिखा, 'एक बड़ा केक, मीडिया से चुप्पी और वह समय जब पूरा देश सदमे में है। अगर ये जश्न नहीं था, तो इतनी गोपनीयता क्यों? शर्मनाक दृश्य।'

खसरा-रूबेला के खिलाफ देशव्यापी अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को शून्य खसरा-रूबेला अभियान 2025-26 का शुभारंभ किया और इसकी आईईसी सामग्री जारी की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि जनवरी से मार्च 2025 तक देश के 322 जिलों में खसरे का और 487 जिलों में रूबेला का भी कोई मामला नहीं आया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल खसरे और रूबेला के खिलाफ टीकाकरण अभियान नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने का एक तरीका है। उन्होंने निगरानी के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम को देश में खसरे और रूबेला के प्रत्येक मामले की निगरानी करनी चाहिए और एक भी मामला अनदेखा नहीं रहना चाहिए। नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को खसरे और रूबेला के खिलाफ देश में किए गए काम के लिए चैंपियन का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने राज्य मंत्रियों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से सार्वजनिक और प्रेस बैठकें आयोजित करने का भी आग्रह किया, जहां सक्रिय जनभागीदारी के माध्यम से लोगों को टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी दी जा सके। उन्होंने राज्यों से खसरा और रूबेला के खिलाफ टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सभी विधायकों, सांसदों, स्थानीय और पंचायत प्रमुखों की भागीदारी का भी आह्वान किया।

पहलगाम हमले के बीच भारत ने छोड़ी मिसाइल, हिल गया पूरा पाकिस्तान

नई दिल्ली। एक तरफ घाटी में गोलियों की आवाज गूंजी। पहलगाम में कायराना आतंकी हमले से देश गम और गुस्से में डूबा था। दूसरी तरफ अरब सागर आईएनएस सूरत की दहाड़ से गूंज उठा। भारत ने फिर दुनिया को दिखाया कि हम केवल सहते नहीं बल्कि जवाब देना भी जानते हैं। दरअसल, ये भारत की सबसे स्वदेशी और आधुनिक युद्धपोत आईएनएस सूरत है। भारतीय नौसेना का ये शेर दुश्मनों के लिए चेतावनी बन चुका है। भारतीय नौसेना ने गुरुवार को घोषणा की कि उसके नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस सूरत ने समुद्र की सतह पर उड़ रहे एक तेज़, कम उड़ान वाले मिसाइल लक्ष्य को सफलतापूर्वक रोका और नष्ट कर दिया। सफल परीक्षण भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह परीक्षण जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद किया गया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी और इसे पाकिस्तान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी आईएसआई और सेना ने कथित तौर पर नरसंहार की साजिश रची थी। यह ऐसे समय में भी हुआ है जब पाकिस्तान ने 24 और 25 अप्रैल के बीच अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर कराची तट से सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने की योजना का संकेत देते हुए एक समुद्री सलाह जारी की है। परीक्षण लॉन्च का एक वीडियो साझा करते हुए, भारतीय नौसेना ने कहा कि नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक ब्रह्मर सूरत ने समुद्र की सतह पर लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक सहकारी हमला किया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।

अब आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया,

मिलेगी कल्पना से भी बड़ी सजा : मोदी

मधुबनी/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत की आत्मा पर हमला बताया और देश की 140 करोड़ आबादी की इच्छाशक्ति के संबल से दहाड़ते हुए आज कहा कि अब आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है और आतंकियों एवं साजिशकर्ताओं को ऐसी सजा मिलेगी जो उनकी कल्पना से भी बड़ी होगी।

श्री मोदी ने गुरुवार को यहां झंझारपुर के लोहना पंचायत में पंचायती राज स्थापना दिवस पर आयोजित सभा में 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, 'यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।'

श्री मोदी ने बिहार की धरती से आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पूरी दुनिया को एक सशक्त संदेश दिया और स्पष्ट शब्दों में कहा, 'भारत हर उस आतंकवादी और उसके संरक्षक को पहचानेगा, ढूंढेगा और सजा देगा, जो देश की शांति और सुरक्षा को चुनौती देता है। भारत आतंकवादियों को धरती के अंतिम कोने तक खदेड़ेगा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।'

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी और आतंकियों को उचित दंड मिलेगा। उन्होंने कहा, 'मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों की जनता और नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं, जो इस मुश्किल घड़ी में हमारे साथ खड़े हैं।'

श्री मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवार के लोगों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ्य हों इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया और किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। उनमें से कोई बंगला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजराती था और कोई बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है। हमारा आक्रोश एक जैसा है।'

इस मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, जीतनराम मांझी, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, गिरिराज सिंह, चिराग पासवान, बिहार के दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल समेत अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भारत-पाकिस्तान तानातनी के बीच स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सूरत ने हासिल की बढ़ी सफलता

पाकिस्तान से बाजी मार ले गया भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से केंद्र की मोदी सरकार एक्शन मोड में है। एक दिन पहले ही पड़ोसी मुल्क के खिलाफ बड़े फैसले लेने के बाद अब तैयारियां सैन्य स्तर पर हो रही हैं। इसी बीच, भारतीय नौसेना ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नौसेना के अपने बनाए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सूरत ने समुद्र में तेजी से उड़ने वाले टारगेट पर सटीक हमला कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि नौसेना की ताकत को और मजबूत करती है।

दरअसल अरब सागर में हुआ यह सफल परीक्षण इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाकिस्तान भी अरब सी में एक मिसाइल परीक्षण करने वाला है। जानकारी के अनुसार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की ओर से लिए गए ताबड़तोड़ फैसलों के बाद पाकिस्तान मिसाइल परीक्षण करने जा रहा है। पाकिस्तान ने अरब सागर क्षेत्र में मिसाइल परीक्षण करने का फैसला लिया है। यह मिसाइल सतह से सतह पर मार करने वाली होगी और यह परीक्षण 24-25 अप्रैल को कराची तट पर होगा। भारत की जांच एजेंसियां घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। इस लेकर गृह मंत्रालय मंग रॉ और आईबी चीफ की गृह सचिव के साथ उच्चस्तरीय बैठक हो रही है।

पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक खत्म,

राजनाथ ने विपक्ष को दी पूरी जानकारी, राहुल बोले- हम सरकार के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हम लोग को लेकर केंद्र सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इस दौरान राजनाथ सिंह ने विपक्ष को पूरी बात बताई पूर्ण सी वही इस बैठक के बाद राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कहा कि यह बहुत दुखद घटना है... पिछले कई सालों से कश्मीर में लोग शांति से अपना व्यापार कर रहे थे, टूरिस्ट आ रहे थे, गतिविधियां चल रही थी और सब बहुत अच्छा हो रहा था... सभी राजनैतिक दलों ने अपने-अपने विचारों को रखा और एक बात सामने आई कि देश को एकजुट होकर और एक आवाज में बोलना चाहिए... सभी पार्टियों ने कहा है कि वे सरकार के साथ है।

केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बैठक में मौजूद थे। सभी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। हमने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के प्रयास किए जाने चाहिए...।' लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'सभी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कार्रवाई करने के लिए पूरा समर्थन दिया है।'

इससे पहले विपक्ष ने मांग की थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैठक की अध्यक्षता करें। मोदी बृहस्पतिवार को बिहार के दरभंगा के दौरे पर थे, जहां उन्होंने घोषणा की कि पहलगाम के हत्यारों और उनके समर्थकों की पहचान कर उन्हें दंडित किया जाएगा। सर्वदलीय बैठक के एक दिन पहले सरकार ने पाकिस्तान को निशाना बनाकर कई कदमों की घोषणा की। सर्वदलीय बैठक बुलाने का निर्णय बुधवार को लिया गया था और सिंह एवं शाह ने विभिन्न दलों से संपर्क किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित किसी अहम घटना के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने की परंपरा रही है, जैसा 2019 में पुलवामा आतंकी हमला या 2020 में भारत-चीन गतिरोध के दौरान देखा गया था।

देश की दूसरी और बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन को पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

सहरसा से मुंबई के बीच चलने वाली अमृत भारत ट्रेन को रवाना किया

मधुबनी (एजेंसी)। देश की दूसरी और बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन 24 अप्रैल से जयनगर से पटना के बीच चलेगी। नमो भारत ट्रेन 130 किमी/घंटे की रफ्तार होगी। 267 किमी की दूरी करीब 5 घंटे में पूरी करेगी। साथ ही बिहार से दूसरी अमृत भारत भी 24 अप्रैल से ही शुरू हो गई है। यह सहरसा से मुंबई के बीच चलेगी। मधुबनी से पीएम मोदी ने दोनों ट्रेनों को वर्चुअल तरीके से हरी झंडी दिखाई। 16 कोच वाली नमो भारत के सभी कोच जनरल हैं। इस ट्रेन में 2000 पैसेंजर की क्षमता है। देश की पहली नमो भारत भुज से अहमदाबाद के बीच चल रही है।

बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन जय नगर से पटना के बीच चलेगी। इस दौरान ट्रेन मधुबनी, सकरी, दरभंगा, समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा और पटना में ठहराव लेगी। नमो भारत ट्रेन जयनगर से सुबह 5 बजे चलकर सुबह 10.30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में पटना से शाम 6.05 बजे चलकर रात 11.45 पर जयनगर पहुंचेगी।

सिक्योरिटी कैसी रहेगी

कवच सिस्टम एक स्वदेशी एंटी प्रोटेक्शन सिस्टम (एपीएस) है। इस खासतौर पर रेल हादसे को रोकने के लिए डिजाइन है। इससे इमरजेंसी हालात में खुद-ब-खुद ट्रेन रुक सकती है यानी ब्रेक लगा सकता है। किसी भी कारणवश जब ट्रेन का ड्राइवर समय पर ब्रेक नहीं लगा पाता है, तब ये सिस?टम तुरंत सक्रिय हो जाता है। ट्रेन के सभी कोचों में सीसीटीवी और फायर डिटेक्शन सिस्टम इंस्टॉल किया गया है। जो लोगों की सेफ्टी के साथ-साथ आगजनी की घटना को रोकने में मदद करेगी।

राजस्थान के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता महेश जोशी 900 करोड़ के घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री महेश जोशी को 900 करोड़ के घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। महेश जोशी राजस्थान की पिछली गहलोत सरकार में जलदाय मंत्री थे। उनके टर्म में जल जीवन मिशन में 900 करोड़ के घोटाले का आरोप है। महेश जोशी को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। मालूम हो कि 900 करोड़ के घोटाले के मामले में महेश जोशी से पूछताछ हो रही थी।

ईडी इससे पहले ठेकेदार पदमचंद जैन, पीयूष जैन, महेश मित्तल और संजय बड़ाया को गिरफ्तार कर चुकी है। संजय बड़ाया मंत्री महेश जोशी का करीबी था। ईडी का आरोप है कि फर्जी वर्क एक्सपीरियंस के आधार पर जो वर्क ऑर्डर दिए गए, उसमें मंत्री की मिलीभगत थी। संजय बड़ाया ने मंत्री महेश जोशी के कहने पर इन कंपनियों को फायदा पहुंचाया।ईडी ने अपनी जांच में कहा है कि संजय बढ़ाया महेश जोशी का करीबी है। और इस स्कैम में उसकी बड़ी भूमिका है। ईडी की रिपोर्ट में दर्ज है कि संजय ही मंत्री महेश जोशी के कहने पर सभी ट्रांसफर पोस्टिंग, टेंडर से जुड़े काम देखता था।

पीएचईडी के एग्जिक्यूटिव इंजीनियर विशाल सक्सेना ने अपने बयान में कहा था कि उसने एक बार महेश जोशी से मुलाकात कर अपनी पोस्टिंग जयपुर में ही रखने का आग्रह किया था। तब महेश जोशी ने विशाल को कहा था कि इस तरह के काम संजय बढ़ाया और विभाग का एक एग्जिक्यूटिव इंजीनियर संजय अग्रवाल देखता है। इसलिए वह इन दोनों से मिल ले।

इसके बाद विशाल से उसे गणपति

ट्यूबवेल के फर्जी सर्टिफिकेट पर पॉजिटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया। ईडी के मुताबिक कई अन्य कर्मियों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि संजय महेश जोशी का करीबी था और विभाग से जुड़े ट्रांसफर, पोस्टिंग और टेंडर तक में उसकी भूमिका रहती थी।

सीडब्ल्यूसी बैठक में पहलगाम हमले की निंदा, सुरक्षा चूक की हो जांच

-आतंकियों ने भावनाएं भड़काने जान-बूझकर हिंदुओं को निशाना बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की गुरुवार को बैठक हुई। बैठक में पहले सीडब्ल्यूसी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई, जिसमें 28 पर्यटकों की मौत हो गई थी। बैठक में इस कायरतापूर्ण हमले के खिलाफ शांति और एकजुटता की अपील की गई। सुरक्षा चूकों की जांच और अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तय करने की मांग उठाई गई।

बैठक में पारित प्रस्ताव के बारे में कांग्रेस ने बताया। कांग्रेस कार्य समिति 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले पर गहरा शोक और कड़ी निंदा व्यक्त करती है। इस आतंकी हमले में 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हैं। बैठक में शोक संतृप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की गई। यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमला, जिसकी साजिश पाकिस्तान में रची गई, हमारे गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदू नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना। पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साजिश थी।

हम इस गंभीर उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और संकट की इस घड़ी में हमारी सामूहिक शक्ति को दोहराते हैं। कांग्रेस कार्य समिति शांति की अपील करती है और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कांग्रेस कार्य समिति स्थानीय पोनी वाले और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनमें से एक पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहीद हो गए। इन्होंने भारत की विचारधारा को जीवंत रखा। उनका बलिदान उस भारत की भावना को दर्शाता है, जहां निस्वार्थ सेवा और मानवता सर्वोपरि है।

राष्ट्र की सामूहिक इच्छा शक्ति को अभिव्यक्त करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 22 अप्रैल की रात को ही पीएम मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था। यह ध्यान देने वाली बात है कि पहलगाम एक अत्यंत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है, जहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है। ऐसे में यह अत्यावश्यक है कि इस केंद्र शासित प्रदेश जो सीधे-सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है उसमें इस प्रकार के हमले को अंजाम देने में हुई खुफिया विफलताओं और सुरक्षा चूक की व्यापक और गहन जांच की जाए। इन सवालों को व्यापक जनहित में उठाना जरुरी है। यही एकमात्र रास्ता है, जिससे पीड़ित परिवारों के साथ न्याय होते हुए देखा जा सकता है।

कांग्रेस कार्य समिति यह भी नोट करती है कि अमरनाथ यात्रा शुरु होने वाली है। देशभर से लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं, उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए ठोस पारदर्शी और सक्रिय सुरक्षा उपाय तुरंत लागू किए जाने चाहिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के उन लोगों की आजीविका की भी रक्षा की जानी चाहिए, जिनका जीवन पर्यटन पर निर्भर है। यह कार्य पूरी ईमानदारी और गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए।

इस नरसंहार की जम्मू-कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों और समाज के सभी

वर्गों एवं सामान्य कश्मीरी नागरिकों द्वारा सर्व सम्मति से निंदा की गई, लेकिन यह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि बीजेपी इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग अपने आधिकारिक और परोक्ष सोशल मीडिया मंचों के जरिए से और अधिक वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही है, जबकि इस समय सबसे ज्यादा जरुरत एकता और एकजुटता की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कश्मीर में आतंक के खिलाफ सख्त फैसले का वक्त

> पहलगाम में हिंदुओं के साथ विदेशी नागरिक और नेवी में कार्यरत जवान की भी मौत हुई है। जोड़ा शादी के बाद हनीमून मानाने गया था जो निर्मम आतंकी साजिश का शिकार हुआ है। नरसंहार के बाद भारतीय सेना के लोगों के पहुंचने के बाद भी लोग इतने दहशत में थे कि उन्हें भी आतंकी समझ लिया। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गई।

(लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल)

भारत में हिंदुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दिया है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिंदू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गए हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिंदुओं की स्थिति बद से बदतर है। जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे।यहाँ हिंदुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाएं भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिंदू बाहुल्य होने के बाद भी हिंदू सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है। जबकि चीन में उइगर मुसमानों का दमन किसी से छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश है। कश्मीर हुआ नरसंहार इसका ताज़ा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोटबैंक के लिए राजनैतिक तुष्टिकरण सबसे बड़ी समस्या है।

भारत में हिंदुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है जबकि अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी गिनती पर आ गईं है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गईं हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं।

जम्बू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोलीबारी मारी। हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कश्मीर में इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए दो स्थानीय मुस्लिम और ईसाई, जैन भी मारे गए है। मीडिया का यह रुख गलत है। पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। आतंकियों को फांसी देने की भी बात कहीं गईं है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी किया है।

इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आर्मीचीफ जनरल कियानी की तरफ से भारत और हिंदुओं के खिलाफ दिया गया वह उसकाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है जिसमें उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बात पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है जिसमें पर्यटकों का धर्म पूँछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधीजंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिंदुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता हैएवं कश्मीर में अलगाववाद की नींव और मजबूत करना चाहता है। खैबरपखतून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाईजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है। जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। लेकिन वह जो कर रहा है उसकी भरपाई उसे करनी होगी।

कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता -आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुईं हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फ़ौज में बौखलाहट है जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है। आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा समझे अहम कारण कश्मीर के राजनैतिक और अलगाववादी कभी शान्ति और विकास नहीं चाहते हैं। क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहाँ बाधित हुईं वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है। हालांकि यह आम मुसलमानों और कश्मीरियों की सोच नहीं है। यह सिर्फ अलगाववादियों की सोच है।

पहलगाम में हिंदुओं के साथ विदेशी नागरिक और नेवी में कार्यरत जवान की भी मौत हुई है। जोड़ा शादी के बाद हनीमून मानाने गया था जो निर्मम आतंकी साजिश का शिकार हुआ है। नरसंहार के बाद भारतीय सेना के लोगों के पहुंचने के बाद भी लोग इतने दहशत में थे कि उन्हें भी आतंकी समझ लिया। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गईं। क्योंकि एलओसी से सटे कश्मीरी जिलों में आतंकवाद खूब फलता -फूलता रहा है।

कियानी के विभाजनकारी संदेश को हमारी सरकार, खुफ़िया एजेंसिया और सुरक्षा एजेंसिया नहीं समझ पाईं। ऐसे संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम होने चाहिए थे। क्योंकि यह इलाका काफी ऊंचाई पर है जहाँ का प्राकृतिक लुत्फ़ उठाने के लिए भारी तादात में देशी- विदेशी पर्यटक आ रहे थे। यह इलाका एलओसी से सटा है और प्राकृतिक जाटिलताओं से भरा है। ऊँचे पहाड़, नदिया घने -जंगल, देवदार और चीड़ के पेड़ यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता को और बढ़ाते हैं। यहाँ आतंकवादियों की पहुँच जटिल होने के बाद लेकिन सुगम है। यहाँ की संवेदनशीलता को देखते हुए अगर हमारी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क होती तो निश्चित रूप से इस नरसंहार से बचा जा सकता था। राज्य में इस तरह की घटनाएं पर्यटन उद्योग और उसकी संभावनाओं पर पानी फेरती हैं। हम अपनी चूक और नाकामियों से नहीं बच सकते। यह गंभीर मंथन का विषय है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर हमें सुरक्षा व्यवस्था को सख्त रखना होगा। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह हमला भारत की आत्मा पर है यह राजनीति का वक्त नहीं है। सारा देश गुस्से में है। रणनीति बनाकर पाकिस्तान और आतंकवाद को सबक सिखाने की जरूरत है।

कश्मीर के पूर्व बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन कानून के विरोध में हिंदुओं को जिस तरह निशाना बनाया गया वह किसी से छुपा नहीं है। इसके अलावा रामनवमी जुलूस पर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश भी सुनियोजित तरीके से हिंदुओं पर हमले हुए। उत्तर प्रदेश में संभल किसी से छुपा नहीं है। वहां किस तरह हिंदुओं का उत्पीड़न हुआ उसे कौन नहीं जानता। हिंसक हमलों में उनकी संपत्तियों और मंदिरों को नष्ट किया गया। हालांकि मुस्लिम इलाकों में भी हिंदूओं का स्वरुप देखने को मिला जहाँ मस्जिदों को निशाना बनाया गया। उनपर चढ़ कर धार्मिक नारेबाजी की गईं। पश्चिम बंगाल राज्य में हिंदुओं को पलायित होना पड़ा। पीड़ित हिंदू बंगाल पुलिस की मदत के लिए चिल्लाते रहे लेकिन कोई सुरक्षा नहीं मिली। बाद में बंगाल उच्च न्यायालय के आदेश के बाद हिंसा प्रभावित इलाके में केंद्रीय बल पंहुचा।

संपादकीय

पहलगाम के बाद

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे।

आतंकवाद से निपटना आज की आवश्कता

(लेखक- संजय गोस्वामी)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में मंगलवार 22 अप्रैल, 2025 की दोपहर करीब तीन बजे बड़ा आतंकी हमला हुआ। आतंकियों ने पर्यटकों के ग्रुप को निशाना बनाया, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। दर्जन भर से ज्यादा लोग इस हमले में घायल भी हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सीआरपीएफ (ष्ट्रक्क्र) की क्विक एक्शन टास्क फोर्स भी आतंकियों की तलाश कर रही है। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर का दौरा किया है जम्मू-कश्मीर में 2019 के पुलवामा अटैक के बाद सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर फायरिंग की, जिसमें 28 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक यूएई और एक नेपाल का पर्यटक और 2 स्थानीय नागरिक शामिल हैं। बाकी पर्यटक यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के हैं।पहलगाम में एक दिन पहले हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार (23 अप्रैल, 2025) को प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की। इस बीच, सरकार ने गुरुवार (24 अप्रैल, 2025) को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मंगलवार (22 अप्रैल, 2025) दोपहर को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में बैसरन घास के मैदानों में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक में आतंकवादियों के एक समूह ने दो विदेशी पर्यटकों सहित कम से कम 27 लोगों की हत्या कर दी।लेकिन सवाल यह है कि ऐसा कब तक करेंगे देश सर्वोपरि है सेना को पूर्ण रूप से छूट जब तक नहीं होगा लोग मारे जाते रहेंगे।इस क्रूरता की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है क्योंकि आतंकवाद का कोई धर्म या क़ोई नियम कानून नहीं होता वो केवल अपनी माँगों को पूरा करने के लिये सरकार के ऊपर दबाव बनाने के साथ ही आतंक को हर जगह फैलाने के लिये निर्दोष लोगों के समूह या समाज पर हमला करते हैं। उनकी माँगे बेहद खास होती हो, जो वो चाहते हैं केवल उसी को पूरा कराते हैं। ये मानव जाति के लिये एक बड़ा खतरा है। वो कभी-भी अपने दोस्त, परिवार, बच्चे, महिला या बूढ़े लोगों के लिये समझौता नहीं करते हैं। वो केवल लोगों की भीड़ पर बम गिराना चाहते हैं। वो लोगों पर गोलियाँ चलाते हैं, विमानों का अपहरण करते हैं और दूसरी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं।कम से कम समय में अपने मुख्य क्षेत्रों या देशों में आतंक फैलाने के लिये आतंकवादी लक्ष्य बनाते हैं। पूर्व में, ऐसा माना जाता है कि आतंकवादी गतिविधियाँ केवल जम्मू और कश्मीर तक ही सीमित थी लेकिन अब ये अपनी जड़ें देश के दूसरे क्षेत्रों में भी फैला रहा है। देश में अलग-अलग नामों के साथ कई सारे आतंकवादी समूह सक्रिय हैं। अपने कार्य के अनुसार राजनीतिक और आपराधिक आतंकवाद के दो मुख्य प्रकार हैं। कुछ खास लक्ष्यों को पूरा करने के लिये प्रशिक्षित लोगों का समूह है आतंकवाद। विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करने के लिये एक से ज्यादा आतंकी समूह प्रशिक्षित किये जाते हैं। ये एक बीमारी की तरह है जो नियमित तौर पर फैल रही है और अब इसके लिये कुछ असरदार उपचार की जरुरत है।आतंकवादी कहे जाने वाले प्रशिक्षित लोगों के समूह के द्वारा अन्यायपूर्ण और हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम देने की प्रक्रिया को आतंकवाद कहते हैं। वहाँ केवल एक मालिक होता है जो समूह को किसी भी खास कार्य को किसी भी तरीके से करने का सख्त आदेश देता है। अपने अन्यायी विचारों की पूर्ति के लिये उन्हें पैसा, ताकत और प्रचार की जरुरत होती है। ऐसी परिस्थिति में, ये मीडिया होती है जो किसी भी राष्ट्र के समाज में आतंकवाद के बारे में खबर फैलाने में वास्तव में मदद करती है। अपनी योजना, विचार और लक्ष्य के बारे में लोगों तक पहुँच बनाने के लिये आतंकवाद भी मीडिया का सहारा लेता है।अपने उद्देश्य और लक्ष्य के अनुसार विभिन्न आतंकी समूह का नाम पड़ता है। आतंकवाद की क्रिया मानव जाति को बड़े पैमाने पर प्रभावित करती है और लोगों को इतना डरा देती है कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते हैं। वो सोचते हैं कि आतंक हर जगह है जैसे घर के बाहर रेलवे स्टेशन, मंदिर, सामाजिक कार्यक्रमों, राष्ट्रीय कार्यक्रमों आदि में जाने से घबराते हैं। लोगों के दिमाग पर राज करने के साथ ही अपने कुकृत्यों कों प्रचारित और प्रसारित करने के लिये अधिक जनसंख्या के खास क्षेत्रों के तहत आतंकवादी अपने आतंक को फैलाना चाहते हैं। आतंकवाद के कुछ हालिया उदाहरण 7 अक्टूबर को इजराइल में हमास का हमला,अमेरिका का 9/11 और भारत का 26/11 हमला है। इसने इंसानों के साथ ही बड़े पैमाने पर देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुँचायी है।युद्ध द्वारा किसी राष्ट्र से आतंकवाद और आतंक के प्रभाव को खत्म करने के लिये, सरकार के आदेश पर कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया गया है। वो सभी जगह जो किसी भी वजह से भीड़-भाड़ वाली जगह होती या बन जाती है जैसे सामाजिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, मंदिर आदि को मजबूत सुरक्षा घेरे में रखा जाता है। सभी को सुरक्षा नियमों का पालन करता पड़ता है और ऑटोमैटिक बॉडी स्कैनर मशीन से गुजरना पड़ता है। इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करने के द्वारा सुरक्षा कर्मियों को आतंकवादी की मौजूदगी का पता लगाने में मदद मिलती है। इस तरह की कड़ी सुरक्षा प्रबंधन के बाद भी हम लोग अभी-भी आतंकवाद का खिलाफ प्रभावशाली रुप से नहीं खड़े हो पा रहें हैं, उससे लड़ने की आवश्यकता है,आतंकी समूह को खत्म करने के साथ ही आतंक के खिलाफ लड़ने के लिये हर साल हमारा देश ढ़ेर सारे पैसे खर्च करता है। हालाँकि, ये अभी-भी एक बीमारी की तरह बढ़ रही है क्योंकि रोजाना नये आतंकवादी तैयार हो रहें हैं। वो हमारी तरह ही बहुत सामान्य लोग हैं लेकिन उन्हें अन्याय करने के लिये तैयार किया जाता है और अपने एक समाज, परिवार और देश के खिलाफ लड़ने के लिये दबाव बनाया जाता है। वो इस तरह से प्रशिक्षित होते हैं कि उन्हें अपने जीवन से भी प्यार नहीं होता, वो लड़ते समय हमेशा अपना कुर्बान होने के लिये तैयार रहते हैं। एक भारतीय नागरिक के रुप में, आतंकवाद को रोकने के लिये हम सभी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं और ये तभी रुकेगा जब हम कुछ बुरे और परेशान लोगों की लालच भरी बातों में कभी नहीं आयेंगे।

(चिंतन- मनन)

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत्? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

विचार मंथन

जम्मू- कश्मीर में केंद्र सरकार के सारे दावे हवा हवाई

(लेखक- सनत जैन)

जम्मू कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार द्वारा विगत वर्षों में बड़े-बड़े दावे किए गए हैं। 370 की समाप्ति के बाद केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में सामान्य हालात बताए जाने के दावे बार-बार किए गए हैं लेकिन कड़वी सच्चाई यह है, कि केंद्र सरकार जब-जब जो-जो दावे करती है वह सब हवा-हवाई साबित होते हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने एक बार फिर केंद्र सरकार के दावों की पोल खोल दी है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया गया था। केंद्र सरकार ने नए जम्मू कश्मीर का सपना दिखाया था। केंद्र सरकार ने वादा किया था, धारा 370 खत्म होने के बाद जम्मू कश्मीर में निवेश की बाढ़ आ जाएगी। बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचों का विकास होगा। हसीन वादियों में देश और दुनिया के पर्यटक बड़ी मात्रा में जम्मू-कश्मीर आएंगे। जम्मू-कश्मीर भारत की मुख्य धारा में शामिल हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है, कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क राजमार्ग सुरंग तथा रेल सुविधा से जोड़ने के लिए सरकार ने काम किया है। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर को तीन भागों में विभाजित कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। तीन पूर्व मुख्यमंत्री को लंबे समय तक जेल में बंद अथवा नजरबंद करके रखा गया। जम्मू कश्मीर में कई महीने तक स्कूल कॉलेज बंद रहे। बार-बार इंटरनेट बंद होता रहा। इसके बाद भी जम्मू कश्मीर के हालातो में कोई बहुत ज्यादा सुधार देखने को नहीं मिला। धारा 370 हटाने के बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हुए, अलगाववादी संगठनों ने भी चुनाव में भाग लिया। मतदाताओं ने भी चुनाव में खुलकर हिस्सा लिया। उमर अब्दुल्ला निर्वाचित जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके पास कोई अधिकार नहीं हैं। जब राज्य सरकार के पास कोई अधिकार ही नहीं है, ऐसी स्थिति में उन्हें किसी भी काम के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। जम्मू कश्मीर की कानून व्यवस्था और प्रशासन पूरी तरह से केंद्र सरकार के प्राधिकारी के रूप में उपराज्यपाल के पास है। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का वादा किया था जिसे केंद्र सरकार ने अभी तक पूरा नहीं किया है। पिछले कुछ समय से कश्मीर की घाटी में पर्यटन बड़ा है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसी बीच आतंकी हमले भी समय-समय पर होते रहे हैं। सेना के जवान भी लगातार मरते रहे हैं। पहलगाम की इस आतंकी घटना ने एक बार सभी को सोचने में मजबूर कर दिया है। केंद्र सरकार जो दावे करती है वह वास्तविकता से दूर क्यों हैं? जम्मू-कश्मीर के आंकड़ों को केंद्र सरकार हमेशा छुपाती रही है। सशस्त्र बलों और आतंकवादी संगठनों के बीच में लगातार मुठभेड़ की घटनाएं सामने आती रही हैं। अब तो आतंकवाद जम्मू तक बढ़ गया है। अविभाजित जम्मू-कश्मीर राज्य से चीन पाकिस्तान बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई हैं। अभी तक कश्मीरी पंडित घाटी में वापस लौटकर नहीं आ पाए है। अमरनाथ यात्रा पर भी आतंकवादी हमले का खतरा हमेशा बना रहता है। सरकार को इसके लिए विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। बड़ी संख्या में सैन्यबल तैनात है। इसके बाद भी जम्मू कश्मीर मैं आतंकवादी हमले कम नहीं हो रहे है। केंद्र सरकार सीमा पार के आतंक को खत्म करने में विफल रही है। पठानकोट से लेकर पहलगाम तक पाकिस्तानी रास्ते से आतंकी आते है। घटना करके भाग जाते है। यह भी कहा जाता है कि पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। पिछले 11 वर्षों से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है। जम्मू-कश्मीर में भी लंबे समय से केंद्र सरकार काबिज है। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में सभी जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्रालय और केंद्र सरकार के जुम्मे है। ऐसी स्थिति में अब नाराजगी केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय के खिलाफ देखने को मिल रही है। पहलगाम में जो घटना हुई है, वह हृदय विदारक है। भारत से लगी हुई अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जिस तरह से चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान की ओर से चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, यह भारत और भारत सरकार के लिए चिंता का विषय है। कुछ दिनों के बाद अमरनाथ यात्रा होनी है। निश्चित रूप से आतंकवादी जिस तरह से अभी तक अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। उसको देखते हुए केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना होगा।

स्थाई समाधान के लिए भी नीतियां बनानी पड़ेंगी। पाकिस्तान के ऊपर दबाव बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का दबाव पाकिस्तान में बढ़े इसके लिए भारत को कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com   www.facebook.com/krantisamay1   www.twitter.com/krantisamay1

पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा चौथी तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा 31 मार्च को समाप्त तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 395.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में उसे 315.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स की परिचालन आय सालाना आधार पर 25.15 प्रतिशत बढ़कर 3,242.11 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 2,590.5 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये हो गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,093.4 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आय आलोच्य वित्त वर्ष में 21.55 प्रतिशत बढ़कर 11,938.7 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2023-24 में 9,821.58 करोड़ रुपये थी।

एलटीआई आईमाइंडट्री का मुनाफा बढ़कर 1,129 करोड़ हुआ

मुंबई। एलटीआई माइंडट्री का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में मुनाफा 2.53 प्रतिशत बढ़कर 1,128.6 करोड़ रुपये रहा। आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसने 1,100.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफा बढ़कर, 4,602 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 4,585 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में राजस्व बढ़कर 9,771 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 8,893 करोड़ रुपये था। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में वृहद आर्थिक परिवेश चुनौतीपूर्ण है। कंपनी के निदेशक मंडल प्रति शेयर 45 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इसे शेयरधारकों के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

नाबार्ड ने एग्री-फिनटेक कंपनी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने एग्री फिनटेक स्टार्टअप 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। नाबार्ड ने कहा कि यह स्टार्टअप में नाबार्ड का पहला निवेश है, जो ग्रामीण भारत में डिजिटल परिवर्तन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग का प्रमुख प्लेटफॉर्म, ईकिसानक्रेडिट (ईकेसीसी), सहकारी बैंकों, पीएसीएस और आरआरबी के लिए डिजाइन किया गया एक पूरी तरह से डिजिटल ऋण प्रणाली है। ईकेसीसी प्लेटफॉर्म -भूमि रिकॉर्ड, आधार, ईकेवाईसी, कोर बैंकिंग सिस्टम और ई-पैक्स के साथ सहजता से एकीकृत होता है, जिससे ग्रामीण ऋण जीवनचक्र का स्वचालन संभव होता है। नाबार्ड ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में, ईकेसीसी को विभिन्न बैंकों में प्रायोगिक आधार पर चलाया गया है और यह प्रणाली अब राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन के लिए तैयार है।

एलआईसी के नए प्रीमियम संग्रह में पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का नए कारोबार से प्रीमियम संग्रह मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान 5.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 3.97 लाख करोड़ रुपये रहा। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार उद्योग ने इससे पिछले वित्त वर्ष में नए प्रीमियम के रूप में 3.77 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। व्यक्तिगत नए कारोबार प्रीमियम में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.49 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2024-25 में नए कारोबार प्रीमियम के रूप में कुल 2.26 लाख करोड़ रुपये जुटाए, जिसमें व्यक्तिगत नए कारोबार से मिले 62,404.58 करोड़ रुपये शामिल है। वित्त वर्ष 2024-25 में एलआईसी ने 1.78 करोड़ नई पॉलिसी बेचीं।

7 मई को होगी सेबी के सेकेंडरी मार्केट पैनल की बैठक, एफएंडओ के नियमों को लेकर चर्चा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सेकेंडरी मार्केट पैनल की अगली बैठक 7 मई को होगी। इस बैठक में फ्यूचर और ऑप्शन (एफएंडओ) ट्रेडिंग को कम करने के लिए लागू किए गए नियमों पर चर्चा हो सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया हैं कि बैठक का एजेंडा फिलहाल स्पष्ट नहीं है, लेकिन कमेटी के सदस्य एफएंडओ ट्रेडिंग को कम करने लागू किए गए नियमों पर चर्चा कर सकते हैं। नए एफएंडओ नियमों का असर दिख रहा है और अब नए अंकुश लगाने की संभावना काफी कम है। सेबी ने 25 फरवरी को इक्विटी डेरिवेटिव्स मार्केट में ओपन इंटरेस्ट की कैलकुलेशन करने के लिए फ्यूचर इक्विवेलेंट पद्धति अपनाने का प्रस्ताव रखा, इससे शेयरों में हेरफेर और फिर उन्हें बैन में जाने से रोक सके। ओपन इंटरेस्ट की कैलकुलेशन के लिए फ्यूचर इक्विवेलेंट पद्धति का सुझाव नोशन वैल्यू आधारित पद्धति की जगह दिया गया था। सेबी ने मार्केट-वाइड पॉजिशन लिमिट्स या एमडब्ल्यूपीएल के संबंध में भी बदलाव का सुझाव दिया, जो यह तय करता है कि किसी शेयर में कितना कारोबार हो सकता है।इसके पहले, पिछले साल अक्टूबर में सेबी ने एफएंडओ ट्रेडिंग वॉल्यूम को कम करने के लिए कई और प्रावधान भी पेश किए थे। इन प्रावधानों में साप्ताहिक ऑप्शन एक्सपायरी को हर एक्सचेंज में एक तक सीमित करना, ऑप्शन खरीदारों से

प्रीमियम का एडवांस कलेक्शन, इंट्राडे मार्केट मॉनिटरिंग और कॉन्ट्रैक्ट साइज में बदलाव और एक्सपायरी के दिन सेफ ट्रेडिंग शामिल थीं।

एचयूएल का मुनाफा घटकर 2,457 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली।

दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 3.35 प्रतिशत घटकर 2,475 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 2,561 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। हालांकि, मार्च तिमाही में उत्पाद बिक्री से राजस्व 2.68 प्रतिशत बढ़कर 15,416 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 15,013 करोड़ रुपए था। मार्च तिमाही में एचयूएल का कुल खर्च 3.12 प्रतिशत बढ़कर 12,478 करोड़ रुपए रहा। कुल आय 3.48 प्रतिशत बढ़कर 15,979 करोड़ रुपए हो गई। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एचयूएल का शुद्ध लाभ 3.78 प्रतिशत बढ़कर 10,671 करोड़ रुपए हो गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,282 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की कुल आय 2.28 प्रतिशत बढ़कर 64,138 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 62,707 करोड़ रुपए थी।

इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा यूरोपीय बाजारों में लांच

नई दिल्ली। अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा को मारुति सुजुकी ने यूरोपीय बाजारों में लॉन्च कर दिया है। यूके और नीदरलैंड जैसे देशों में इसकी डिलीवरी भी जल्द शुरू होगी। इस कार की सबसे खास बात यह है कि कंपनी ने इस पर 10 साल की वारंटी देने की घोषणा की है, जो आमतौर पर दी जाने वाली 3 या 6 साल की वारंटी से कहीं ज्यादा है। माना जा रहा है कि यह वारंटी बैटरी पर दी जाएगी, जो इसकी लंबी उम्र और विश्वसनीयता का संकेत है। कार में बीवायडी की ब्लेड बैटरी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें एलएफपी सेल होते हैं और ये सुरक्षा और टिकाऊपन के लिए प्रसिद्ध हैं। मारुति सुजुकी ई-विटारा की अनुमानित कीमतें सिग्मा वैरिएंट (49केडब्ल्यूएच) के लिए लगभग 18 लाख रुपये, जबकि टॉप वैरिएंट अल्फा (61केडब्ल्यूएच) के लिए लगभग 24 लाख रुपये तक बताई जा रही हैं। कंपनी इस एसयूवी को 10 एक्सटीरियर कलर ऑप्शन के साथ पेश करेगी, जिसमें 6 मोनो-टोन और 4 डुअल-टोन विकल्प शामिल होंगे। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जर, इनफिनिटी साउंड सिस्टम और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलेंगे। सेफ्टी के लिहाज से इसमें लेवल 2 अडास, 7 एयरबैग, 360 डिग्री कैमरा और ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 315 अंक, निफ्टी 82.25 अंक नीचे आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे बाजार में पिछले सात दिन से जारी तेजी रुक गई। आज कारोबार के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर और अन्य एफएमसीजी शेयरों के अलावा आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 315.06 अंक करीब 0.39 फीसदी नीचे आकर 79,801.43 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (हृस्श्व) का निफ्टी भी अंत में 82.25 तकरीबन 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ ही 24,246.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी रही, जिसमें डॉव जोन्स 1.07 फीसदी बढ़कर 39,606.57 पर, एसएंडपी 500 1.67 फीसदी ऊपर आकर 5,375.86 पर और नैस्डैक कंपोजिट 2.50 फीसदी बढ़कर 16,708.05 पर बंद हुआ। एसपी 500 से जुड़े फ्यूचर्स में मामूली 0.08 फीसदी की तेजी आई। नैस्डैक 100 फ्यूचर्स स्थिर रहा, जबकि डॉव जोन्स फ्यूचर्स में 0.15 फीसदी की गिरावट रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। जापान का

निक्केई 225 0.89 फीसदी उछला, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.41 फीसदी गिरा तथा ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.59 फीसदी बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.1 फीसदी गिरा और मेनलैंड चीन का सीएसआई 300 मामूली रूप से 0.16 फीसदी नीचे आया। इससे पहले आज सुबह बाजार लाल निशान में खुला।

शुरुआती कारोबार में ऑटो, मेटल और रियलिटी सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह सेंसेक्स 221.03 अंक की गिरावट के साथ 79,895.46 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 75.55 अंक की गिरावट के साथ 24,253.40 पर था। निफ्टी बैंक 152.60 अंक की गिरावट के साथ 5,217.45 पर था।

भारत का योगदान ग्लोबल वॉल्यूम ग्रोथ में 8 गुना तक बढ़ा

उपभोक्ता अप्लायंसेज के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 5 फीसदी थी

नई दिल्ली।

उपभोक्ता उत्पादों की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत का योगदान बेहतर देखा जा रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान वृद्धि में उसके योगदान ने विभिन्न श्रेणियों में पिछले वर्ष के मुकाबले वॉल्यूम हिस्सेदारी को 2 से 8 गुना बढ़ा दिया है।

इससे उपभोक्ता वस्तु बनाने वाली प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) के लिए भारत एक दमदार ग्रोथ इंजन बन गया है। एक रिपोर्ट के मुतो बिक 'प्लेबुक फॉर कंज्यूमर प्रोडक्ट्स मल्टीनैशनल कॉरपोरेशंस इन इंडिया' के अनुसार, उपभोक्ता अप्लायंसेज के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी साल 2024 में 5 फीसदी थी। मगर साल 2019 से 2024 के बीच वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 44 फीसदी थी जो पिछले साल की उसकी वॉल्यूम हिस्सेदारी के मुकाबले 8.6 गुना अधिक है। अन्य श्रेणियों में भी यही रुझान दिखता है। परिधान एवं फुटवियर के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 8 फीसदी थी। मगर पिछले पांच वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत का हिस्सा 34 फीसदी था।

गर्म पेय पदार्थ के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 6 फीसदी हो सकती है, मगर पिछले 5 वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 24 फीसदी थी। इसी प्रकार स्नैकिंग श्रेणी में भारत की वैश्विक वॉल्यूम में हिस्सेदारी 2024 में 10 फीसदी थी, लेकिन पिछले 5 वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 2.1 गुना बढ़कर 22 फीसदी हो गई। बेन ने 10 अरब डॉलर से अधिक की आय वाली करीब 42 वैश्विक उपभोक्ता वस्तु कंपनियों के भी आंकड़े दिए हैं। इनमें से 30 कंपनियां भारत में भी कारोबार करती हैं। इन कंपनियों में रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएं बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियां शामिल हैं लेकिन तंबाकू, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण फर्मों को बाहर रखा गया है।

विश्लेषण से पता चलता है कि भारत में कारोबार करना काफी फायदेमंद हो सकता है। ऐसी कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय सहायक इकाइयों का कुल शेयरधारक रिटर्न (टीएसआर) शानदार रहा। साल 2015 से 2024 के बीच उनका कुल शेयरधारक रिटर्न वैश्विक मूल कंपनी के मुकाबले 2 से 6 गुना अधिक रहा। इतना ही नहीं बेन की रिपोर्ट से यह भी खुलासा हुआ है कि भारत में कारोबार करने वाली उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र की 60 फीसदी बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्विक वृद्धि दर के मुकाबले करीब दोगुनी दर से बढ़ रही हैं।

अटारी-वाघा सीमा बंद, भारत-पाकिस्तान कारोबार होगा प्रभावित

पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा भी किए गए रद्द

नई दिल्ली।

पहलगाम में 23 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अटारी-वाघा सीमा को बंद कर दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। यह न केवल व्यापार को धड़ल्ले से फिर से ठप कर देगा, बल्कि भारत-पाक संबंधों में भी नए बदलाव की आशंका को जगाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से व्यापार का इतिहास उतार-चढ़ावों से भरा है। कम से कम पांच वर्षों में व्यापार में गिरावट के बाद, 2023-24 में 3886 करोड़ रुपये का व्यापार दर्ज किया गया। माल आवाजाही में भी 2022-23 में 80 फीसदी की उछाल देखने को मिली। इस बंद के नतीजे में भारत में सोयाबीन, मुर्गियों का दाना, सब्जियां, लाल मिर्च, प्लास्टिक दाना और प्लास्टिक यार्न का निर्यात प्रभावित हो सकता है। वहीं, ड्राई फ्रूट्स, ड्राई डेट्स, जिप्सनम, सीमेंट, ग्लास, रॉक सॉल्ट और हर्ब्स का आयात प्रभावित हो सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार के बंद होने से दोनों देशों के उद्योगपति, किसान और व्यापारिक संगठनों को बड़ा नुकसान हो सकता है। इसे टालने के लिए दोनों देशों को संवाद में रहकर समाधान निकालने की जरूरत है।

आरबीआई ने 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को बैंक में खाता खोलने की दी परमिशन

इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड आदि बैंकिंग सुविधाएं भी मिलेगी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन के संबंध में संशोधित निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों को संबोधित एक परिपत्र में कहा कि किसी भी उम्र के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है।

10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अपनी मां को अभिभावक बनाकर ऐसे खाते खोलने की भी अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में कहा गया है- जिन नाबालिगों की आयु सीमा 10 वर्ष से कम नहीं है और बैंकों द्वारा उनकी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई राशि और शर्तों तक, उन्हें स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं, और ऐसी शर्तों को खाताधारक को विधिवत रूप से सूचित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, वयस्क होने पर खाताधारक के नए संचालन निर्देश और नमूना हस्ताक्षर प्राप्त किए जाने चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया- बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति, उत्पाद उपयुक्तता और ग्राहक उपयुक्तता के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वतंत्र हैं।

बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से या अभिभावक के माध्यम से संचालित हों, से अधिक निकासी की अनुमति नहीं दी जाए और ये हमेशा क्रेडिट बैलेंस में रहें।

अब शरबत बनाना भी हुआ महंगा, नींबू 7 रुपए में बिक रहा

पानी की कमी ने किसानों के स्थानीय कृषि को पूरी तरह से प्रभावित किया

बीड।

नींबू के उच्च दाम ने बीड शहर को अपने भार से दबा दिया है। इस समय बाजार में नींबू के दाम आसमान छू रहे हैं. कुछ महीने पहले 2 रुपये में मिलने वाला एक नींबू अब बीड शहर के कुछ हिस्सों में सीधे 7 रुपये तक बिक रहा हि। क हुई इस मूल्यवृद्धि से आम ग्राहक परेशान हैं। गर्मियों में जहां लोग नींबू के शरबत से राहत पाने की उम्मीद करते हैं, वहीं कुएं और बोरवेलों में पानी की कमी ने किसानों के पेड़ों को सूखने की संभावना बढ़ा दी है। इसके नतीजे में नींबू की आपूर्ति में कमी ने दामों को चौंका दिया है। बीड जिले के कई किसानों ने इस साल उत्पादन में कमी की शिकायत की है, जिससे नींबू के मूल्य में अचानक वृद्धि हुई है। नक्कारापन या आलस्य नहीं, बल्कि पानी की कमी ने किसानों के स्थानीय कृषि को पूरी तरह से प्रभावित किया है। अब नींबू उपभोक्ता के लिए एक महंगा खेती का विकल्प बन चुका है, जिससे उन्हें अपनी गर्मियों की ठंडक के लिए महंगे किमीउंन के सामने खर्च करना पड़ रहा है। नींबू के उच्च दामों के साथ-साथ, छोटे व्यापारियों को भी इस असामान्य वृद्धि से प्रभावित होना पड़ रहा है। उच्च दामों के कारण, व्यापारी भी ग्राहकों को महंगे दामों पर नींबू उपलब्ध कराने में मुश्किलें झेल रहे हैं, जिससे उन्हें अपने व्यवसाय को चलाने में कठिनाई हो रही है। सभी इन तथ्यों को मध्यंतर में देखते हुए, सरकार को इस सामाजिक और आर्थिक संकट का संज्ञान लेकर हर संभावित प्रयास करने की आवश्यकता है। उचित नीतियों और योजनाओं के माध्यम से पानी की संभावित कमी को दूर करने और किसानों को उनके मेहनत का मुयायन करने में सरकार की मदद की जरूरत है।

कई विदेशी कंपनियों को आयकर विभाग ने जारी किया मूल्यांकन आदेश

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर ऐज ए सर्विस (सास) उत्पाद मुहैया कराने वाली एमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, ओरेकल, आईबीएम और सेल्सफोर्स जैसी कई विदेशी कंपनियों को वित्त वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए आयकर विभाग से कर मांग का नया नोटिस मिला है।

सूत्रों के अनुसार कर विभाग ने इन कंपनियों को मूल्यांकन आदेश जारी किए हैं। इसके तहत इन कंपनियों द्वारा भारतीय ग्राहकों से अर्जित आय को भारतीय कर कानून के अंतर्गत 'तकनीकी सेवाओं के लिए शुल्क' (एफटीएस) माना जाएगा। तकनीकी, प्रबंधकीय या परामर्श सेवा के लिए किसी भी भुगतान को एफटीएस माना जाता है और भारत-अमेरिका दोहरा कराधान निषेध संधि के तहत इस तरह की आय पर 15 फीसदी कर लगाया जाता है। इस बारे में जानकारी के लिए संबंधित कंपनियों के साथ-साथ केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को ईमेल भेजे गए मगर कोई जवाब नहीं आया। 2021 से पहले इस तरह के भुगतानों को अक्सर रॉयल्टी माना जाता था।हालांकि इंजीनियरिंग एनालिसिस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मामले में 2021 में एक ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय कहा था कि मानक, ऑफ-द-शेल्फ सॉफ्टवेयर के लिए भुगतान भारतीय कानून या कर संधियों के तहत रॉयल्टी के रूप में कर योग्य नहीं हैं। शीर्ष अदालत के फैसले के बावजूद कर विभाग ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या भारतीय उपयोगकर्ताओं द्वारा विदेशी सास प्रदाताओं को किए गए भुगतान पर एफटीएस के रूप में कर लगाया जा सकता है।

सोने ने फिर दिखाई चमक, चांदी हुई सस्ती

सोने का भाव 95,850 रुपए, चांदी 95,450 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

सोने के भाव बुधवार को बड़ी गिरावट के बाद गुरुवार को सुधर गए। चांदी के भाव में भी नरमी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने के भाव 95,850 रुपये, जबकि चांदी के भाव 95,450 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। सोने के भाव मंगलवार को ग्लोबल मार्केट में 3,509.90 डॉलर के नए रिकॉर्ड पर पहुंच थे, घरेलू बाजार में भी सोने के वायदा भाव ने 99,358 रुपये का नया हाई बनाया था। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 858 रुपये की तेजी के साथ 95,580 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 94,722 रुपये था। इस समय यह 1,137 रुपये की तेजी के साथ 95,859 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,188 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,580 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने मंगलवार को 99,358 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 348 रुपये की नरमी के साथ 95,451 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 95,799 रुपये था। इस समय यह 333 रुपये की गिरावट के साथ 95,466 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 95,685 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,450 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,301.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला। पिछला बंद भाव 3,294.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 41.40 डॉलर की तेजी के साथ 3,335.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने मंगलवार को 3,509.90 डॉलर के ऑल टाइम हाई पर थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.56 डॉलर पर खुले, पिछला बंद भाव 33.54 डॉलर था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह टी20 में 300 विकेट पूरे करने वाले 33 वें गेंदबाज

मुम्बई।

मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सरनाइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में एक विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किये हालांकि, 300 विकेट पूरे करने के बाद भी बुमराह इस सूची में शीर्ष 10 में भी जगह नहीं बना पाये हैं। बुमराह 33वें स्थान पर हैं। टी20 में सबसे अधिक विकेट के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान-640 विकेट लेकर पहले नंबर पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो 631 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज के ही सुनील नरेन 581 विकेट लेकर तीसरे वह इमरान ताहिर 533 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। इसके अलावा शाकिब अल हसन-492 विकेट के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के साथ ही अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। उसके नौ मैचों में अब दस अंक हो गये हैं।

आईपीएल में सीएसके और सनराइजर्स के बीच मुकाबला आज

हारने वाली टीम प्लेऑफ की दौड़ से होगी बाहर

चेन्नई।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच शुक्रवार को यहां आईपीएल मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। दोनो ही टीमों केलिए ये मैच बेहद अहम है। इसमें जो भी हारेगी वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। सनराइजर्स और सीएसके का प्रदर्शन इस आईपीएल सत्र में बेहद खराब रहा है। दोनो ही टीमें दो-दो मैच जीती है और आईपीएल अंक तालिका में अंतिम दो स्थानों पर हैं। इन दोनों टीमों के आठ मैच में चार अंक हैं और अगर उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाएं बनाये रखनी हैं तो अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। सीएसके की टीम अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि अब तक उसके बल्लेबाज और गेंदबाज घरेलू विकेट का लाभ नहीं उठा पाये हैं। सीएसके ने स्पिनर नूर अहमद की गेंदबाजी के बल पर पहले ही मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर जीत के साथ अच्छी शुरुआत की थी पर इसके बाद उसकी टीम को अपने घरेलू मैदान पर तीन बार हार झेलनी पड़ी थी। इसी कारण उसके कोच ने भी पिच की आलोचना की थी। यहां का विकेट स्पिनरों के लिए सहायक रहा है पर इस बार यहां तेज गेंदबाजों को सहायता मिल रही है जिससे बल्लेबाजों को रनों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। टीम को बाहर के मैदानों पर भी परेशानी का सामना करना पड़ा है। उसे दूसरे मैदानों पर खेले गए चार मैच में से केवल एक मैच में ही जीत मिली है। इस कारण बल्लेबाजों और गेंदबाजों का खराब प्रदर्शन बताया जा रहा है। नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड के चोटिल होने के कारण बाहर होने से भी उसकी मुश्किलें बढ़ी हैं। वहीं अब टीम की कप्तानी संभाल रहे महेंद्र सिंह धोनी किस प्रकार टीम को आगे ले जाते हैं ये देखना होगा। डेथ ओवरों की उनकी बल्लेबाजी तथा मैच के अहम क्षणों में लिए जाने वाले फैसले टीम को वापसी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। चेन्नई के लिए 17 साल के आयुष म्हात्रे पर भी सभी की नजरें रहेंगी। इस युवा बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। सीएसके ने बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्डब्रेविस को भी अपनी टीम में शामिल किया है। दूसरी ओर सनराइजर्स की हालत भी सही नहीं है। टीम की ताकत बल्लेबाजी मानी

जाती है पर उसी में टीम इस बार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। टीम की गेंदबाजी भी प्रभावहीन है। पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले ट्रैविस हेड का बल्ला इस बार खामोश है। अभिषेक शर्मा ने अब तक अच्छी बल्लेबाल की है और एक मैच में 141 रन भी बनाये थे पर वह हर मैच में रन नहीं बना सकते।

मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने भी स्वीकार किया है कि उनके मध्यक्र के बल्लेबाज साझेदारी बनाने में असफल रहे हैं। इसके अलावा गेंदबाजा भी विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं। ऐसे में ये मुकाबला करीबी हो सकता है। सीएसके की बल्लेबाज रचिन रवींद्र, शिवम दुबे और कप्तान धोनी पर अधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान मुकेश कुमार वह स्पिनर आर अश्विन के पास रहेगी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी हेड और अभिषेक के अलावा हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। उसकी गेंदबाजी जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा के अलावा राहुल चाहर पर आधारित है।

अय्यर और ईशान को केंद्रीय अनुबंध मिलना खुशी की बातः शास्त्री

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को केन्द्रीय अनुबंध दिया जाना खुशी की बात है। पिछले साल घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण इन दोनो को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। वहीं अब उन्हें एक बार फिर 2024/25 सत्र के लिए शामिल कर लिया गया है। शास्त्री ने कहा, मुझे लगा कि श्रेयस और ईशान फिर से टीम में देखना अच्छा रहेगा, क्योंकि जो कुछ हुआ वह टीम प्रबंधन, बीसीसीआई और इसमें शामिल व्यक्तियों के बीच था। मुझे खुशी है कि आपसी बातचीत के बाद ये मामला हल हो गया जिससे एक बार फिर इन दोनो को अनुबंध मिला है। विशेष रूप से श्रेयस ने जिस तरह से पिछले डेढ़ साल में खेला है उसको देखते हुए ये अनुबंध उन्हें मिलना ही था। शास्त्री ने कहा, उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन ने दरवाजा खटखटाया पर उन्हें फटकार लगाई गई। उन्हें कई बार ऐसी फटकार लगाई गई, जिसकी जरूरत होती है पर मुझे खुशी है कि सब ठीक है। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 48.6 की औसत से 243 रन बनाए जिससे टीम चौथे नंबर पर रही। अय्यर अभी आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं, जहां उन्होंने 8 मैचों में 43.83 की औसत से 263 रन बनाए हैं।

रोहित को अर्धशतकीय पारी के लिए मिला विशेष अवार्ड

मुम्बई।

मुम्बई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के लिए विशेष इनाम मिला है। इस मैच में रोहित की 70 रनों की पारी से मुम्बई इंडियंस को इस मैच में शानदार जीत मिली जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है। रोहित ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था। इस प्रकार लगातार दो मैचों में जीत में उनकी भूमिका रही है। इसी कारण टीम कके ड्रेसिंग रूम में उन्हें विशेष अवार्ड दिया गया। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए ड्रेसिंग रूम में एक समारोह भी आयोजित करती है। इस समारोह में ही रोहित को सम्मानित किया गया। रोहित मुंबई इंडियंस के इस वीडियो में कहते नजर आ रहे हैं, ÷हम जो करते आ रहे हैं आगे भी वही करेंगे। मैच से पहले मैंने हर्डल में बात की थी कि हमें निरंतर रूप से चीजें करनी होगी। इसी का फल मिला है। हमें आगे भी ऐसा ही करना होगा। रोहित ने इससे पहले वानखेड़े के अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। सन 2016 के बाद यह पहला अवसर है जब रोहित ने लगातार 2 अर्धशतक लगाये हैं। इस पारी से वह टी20 क्रिकेट में 12000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में भी शामिल हो गये हैं। वह ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय हैं।

इन्दौर) जूनियर टेनिस टूर्नामेंट : ऋषव, हितार्थ, आन्या, खुशवी सेमीफाइनल में

इन्दौर।

मध्य प्रदेश टेनिस संघ के द्वारा इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित क्रींस कॉलेज ऑल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के अंडर-14 बालक एकल क्वाटरफाइनल मुकाबलों में मध्यप्रदेश के ऋषव रावल, हितार्थ सुराना तथा अंडर-14 बालिका एकल में मध्य प्रदेश की आन्या फलजले व राजस्थान की खुशवी पड़ीयार ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को खेले गए अंडर-14 बालक एकल क्वाटरफाइनल में ऋषव रावल (म.प्र.) ने अनघ अग्रवाल (म.प्र.) को 6-0, 6-1 से, हितार्थ सुराना (म.प्र.) ने मानवेंद्र त्रिवेदी (महा.) को 7-5, 6-3 से, सोहम पाटीदार (म.प्र.) ने मंत्रा उपाध्याय (गुज.) को 6-3, 6-3 से तथा मो. आरिज खान (म.प्र.) ने अराध्य पाटिल (म.प्र) को 6-0, 6-0 से शॉ कस्त दी। वहीं, अंडर-14 बालिका एकल क्वाटरफाइनल में आन्या फलजले (म.प्र.) ने आन्या राठी (म.प्र.) को 6-1, 7-5 से, खुशवी पड़ीयार (राज.) ने दिविनिति महेश्वरी (म.प्र.) को 6-0, 6-2 से, मनुस्मृति सिंह (म.प्र.) ने आषरिया फुलरे (म.प्र.) को 6-0, 6-0 से तथा अहाना फलजले (म.प्र.) ने समबोधी जोशी (राज.) को 6-0, 6-2 से शॉ कस्त दी। उधर, अंडर-14 बालक युगल के क्वाटरफाइनल में मानवेंद्र त्रिवेदी-शॉ वांश अग्रवाल की जोड़ी ने

अराध्य पाटिल-निकुंज साहू को 6-2, 6-1 से तथा अदविक गुरू-ऋषि चौधरी ने चिन्मय मेहता-गीतांश मखनिया की जोड़ी को 6-4, 6-2 से परास्त किया। अंडर-14 बालिका युगल क्वाटरफाइनल में आयरा लोधी-आन्या फलजले की जोड़ी ने आशना शर्मा-ऐशवी जैन को 6-2, 6-1 से, दिविनिति महेश्वरी-आन्या राठी ने कतिष्का शर्मा-इदेवा धाकड़ को 6-0, 6-0 से तथा खुशवी पड़ीयार-समबोधी जोशी ने आशरिया फुलरे-मायरा कुशवाह की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-0, 6-0 से परास्त कर सेमीफायनल में प्रवेश किया।

संक्षिप्त समाचार

रोहित 12 हजार बनाने वाले सातवें बल्लेबाज बने

मुम्बई।

मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए आईपीएल मैच में अपने 12 हजार रन पूरे किये हैं। इसी के साथ ही रोहित टी20 क्रिकेट में 12,000 रन पूरे करने वाले सातवें बल्लेबाज बन गये है। रोहित से पहले भारत ही ही विराट कोहली ने ये उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सबसे अधिक रनों के मामले में वेस्टइंडीज के क्रिस गेल पहले नंबर पर हैं। उनके नाम 14562 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स हैं। हेल्स के नाम 13610 रन हैं। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के शोएब मलिक के 13571 रन है। चौथे नंबर पर 13537 रनों के साथ कीरोन पोलार्ड हैं। वहीं पांचवें नंबर पर 13208 रनों के साथ ही विराट हैं जबकि 13019 रनों के साथ ही छठे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर है। 12058 रनों के साथ ही सातवें नंबर पर रोहित हैं।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान पांड्या अपने व्यवहार के कारण निशाने पर आये

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी आचोचना करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद और मुम्बई इंडियंस मैच से पहले श्रद्धांजलि सभा रखी थी जिससे सभी खिलाड़ी और मैच अधिकारी शामिल हुए पर इसमें मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या अपने व्यवहार के कारण लोगों के निशाने पर आ गये हैं। मैच से पहले आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया था। इस दौरान स्टेडियम में खिलाड़ी, अधिकारी और दर्शक मौन रहे लेकिन पांड्या का व्यवहार अजीब रहा। जहां सभी खिलाड़ी इस दौरान मौन थे। वहीं पांड्या मैच अधिकारी से कुछ कहते और मुस्कुराते हुए देखे गये।

बीसीसीसीआई ने आईपीएल में आतिशबाजी बंद की

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को देखते हुए अब मैचों में आतिशबाजी बंद करने का फैसला किया है। इसके अलावा चीयरलीडर्स को भी हटा दिया गया है। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबले के दौरान खिलाड़ी और मैच अधिकारी काले बैंड भी पहनेंगे। बीसीसीआई ने यह फैसला पहलगाम हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए लिया है। बीसीसीआई पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन भी रखेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल ने हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले मैच के दौरान आतिशबाजी और चीयरलीडर्स को हटाने का फैसला किया है। पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत से देश भर में शोक की लहर है।

जायंट्स के पास अभी भी है प्लेऑफ में पहुंचने का अवसर

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में टीमों ने आधे से अधिक लीग मैच खेल लिए हैं और अब प्लेऑफ के लिए सभी टीम अपना जोर लगा रही हैं। गुजरात टाइटंस पहले और दिल्ली कैपिटल्स दूसरे जबकि रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु तीसरे स्थान पर है। वहीं पंजाब किंग्स चौथे नंबर पर है। इन चारों के अलावा पांचवे नंबर पर चल रही लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम भी प्लेऑफ की दावेदार बनी हुई है हालांकि दिल्ली कैपिल्स से मिली हार के बाद उसे झटका लगा है। जायंट्स ने अब तक ने अब तक 9 मैच खेलने के बाद 5 जीत से कुल 10 अंक हासिल किए हैं। टीम के पास अभी 5 मुकाबले बचे हैं जिसमें उसको कम से कम चार जीत की जरूरत होगी। अगर 18 अंक तक लखनऊ की टीम पहुंच जाए तो उसकी जगह शीर्ष 4 में लगभग पक्की हो जाएगी। अगले चार मैच में जीत के बाद नेट रन रेट के सहारे टीम अगले दौर में जगह बना सकती है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद अब लखनऊ की टीम का अगला मुकाबला 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा। इसके बाद पंजाब

किंग्स के साथ वह खेलेगी। इन दोनों मुकाबलों के बाद लखनऊ के प्लेऑफ में पहुंचने की स्थिति स्पष्ट होगी। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु, गुजरात टाइटंस और आखिरी लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से टीम को खेलना है। इस समय अंक तालिका में गुजरात टाइटंस की टीम 8 में से 6 मैच जीतकर शीर्ष पर है।

वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम नेट रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर है। वहीं 8 मैच में 5 जीत से 10 अंक लेकर आरसीबी की टीम तीसरे नंबर पर है। इतने ही मुकाबले और जीत के साथ पंजाब किंग्स चौथे नंबर पर है।

इस कारण नहीं मिला रहा टीमों को घरेलू मैदान का लाभः द्रविड़

बेंगलुरु।

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है आईपीएल के इस सत्र में अधिकतर टीमों ने घरेलू मैदानों पर खेलने का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की है। द्रविड़ के अनुसार इसका कारण ये है कि नीलामी के बाद सभी टीमों में नये खिलाड़ी आ गये हैं जिन्हें घरेलू मैदान के बारे में अधिक पता नहीं होता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी कई टीमों ने इस बार अपने घरेलू मैदान पर पिचों को लेकर नाराजगी जतायी थी। इन टीमों का कहना है कि पिच उनके अनुसार नहीं बनायी गयी थी। द्रविड़ ने कहा, 'यह मैदान पर निर्भर करता है। मैं नहीं जानता कि टीमें अपने क्यूरेटर से क्या चाहती हैं। मेगा नीलामी के बाद सभी टीमें नई हो गयी हैं। उन्होंने अपनी टीम के नीतिश राणा और आरसीबी के फिल साल्ट का उदाहरण दिया जो पिछले साल की नीलामी के बाद उन टीमों से जुड़े जिनके साथ वह पिछली बार नहीं थे। उन्होंने कहा, 'नीलामी के बाद पहले साल कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो उन मैदानों पर पहली बार खेल रहे हैं। जैसे की फिल साल्ट पहले केकेआर के साथ पर इस बार आरसीबी की ओर से खेले। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम में नीतिश राणा नया है जो इसी साल से हमसे जुड़ा है। उसके लिये जयपुर का मैदान नया है। द्रविड़ के अनुसार सत्र आगे बढने के साथ ही खिलाड़ी अपने को मैदानों के अनुरूप ढाल लेंगे। उन्होंने कहा, 'जब बड़ी नीलामी होती है तो टीम बदलती है और घरेलू मैदान पर खेलने का शुरुआत में अधिक लाभ नहीं मिलता है पर बाद में समय के साथ ही लय मिलने लगती है।

सनराइजर्स को अब प्लेऑफ के लिए सभी मैच जीतने होंगे

मुम्बई।

सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसके अब तक छठी हार झेलनी पड़ी है। इस हार के बाद टीम अंक तालिका में 9वें पायदान पर है। हैदराबाद की मुख्य ताकत बल्लेबाजी है जिसके असफल होने से टीम की ऐसी हालत हुई है हालांकि अभी टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की राह बंद नहीं हुई है। सनराइजर्स ने अभी तक 8 में से 2 ही मैच जीते हैं ऐसे में अगर अब वह बचे हुए सभी 6 मैच जीत ले तो 16 अंक लेकर प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। ऐसे में अब टीम को मैच जीतने होंगे। एक भी हार उसे बाहर कर सकती है। वहीं अगर टीम 14 अंकों तक पहुंचती है तो उन्हें फिर उसे अगले दौर में पहुंचने के लिए दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उसका नेट रन रेट भी काफी कम -1.361 का है जो उसके लिए परेशानी बन सकता है, ऐसे में टीम को इसे भी सुधारना होगा।

सीएसके के खराब प्रदर्शन से चिन्तित नहीं: विश्वनाथन

नई दिल्ली।

आईपीएल में इस बार पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) अपने खराब प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों के निशाने पर है।

सुरेश रेना सहित कई क्रिकेटरों का कहना है कि टीम में जीत की भूख नहीं है। वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा कि आईपीएल मुकाबले केवल एक खेल है। एक फ्रेंचाइजी के तौर पर सीएसके कभी नहीं घबराती और अपने प्रदर्शन को लेकर परेशान नहीं है। सीएसके इस सत्र में लगातार मिली हार के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद कमजोर हुई है। सीएसके के सीईओ ने अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में कहा, 'हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। हम सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं और हम अगले कुछ मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास करेंगे।

हम अपनी फ्रेंचाइजी के प्रदर्शन को लेकर कभी घबराते नहीं, यह सिर्फ एक खेल है। गायकवाड़ की अनुपस्थिति में महेंद्र सिंह धोनी टीम की कमान संभाल रहे हैं पर मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि उनके पास कोई जादू की छड़ी नहीं है जिससे वे रातों-रात टीम के प्रदर्शन

को बदल देंगे। मुंबई इंडियंस से हार के बाद सुपरकिंग्स को प्ले ऑफ की उम्मीद जीवंत रखने के लिए अपने बाकी बचे सभी मुकाबले जीतने होंगे। वहीं धोनी को लेकर विश्वनाथन ने कहा, 'देखिए, यह किसी एक का सवाल नहीं है। यह सवाल है कि टीम को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, ना कि सिर्फ एक व्यक्ति को। हम टीम प्रबंधन से बात नहीं करते। धोनी वही करेंगे जो टीम के लिए सही होगा।।

इस कारण नहीं मिला रहा टीमों को घरेलू मैदान का लाभः द्रविड़

बेंगलुरु।

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है आईपीएल के इस सत्र में अधिकतर टीमों ने घरेलू मैदानों पर खेलने का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की है। द्रविड़ के अनुसार इसका कारण ये है कि नीलामी के बाद सभी टीमों में नये खिलाड़ी आ गये हैं जिन्हें घरेलू मैदान के बारे में अधिक पता नहीं होता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी कई टीमों ने इस बार अपने घरेलू मैदान पर पिचों को लेकर नाराजगी जतायी थी। इन टीमों का कहना है कि पिच उनके अनुसार नहीं बनायी गयी थी। द्रविड़ ने कहा, 'यह मैदान पर निर्भर करता है। मैं नहीं जानता कि टीमें अपने क्यूरेटर से क्या चाहती हैं। मेगा नीलामी के बाद सभी टीमें नई हो गयी हैं। उन्होंने अपनी टीम के नीतिश राणा और आरसीबी के फिल साल्ट का उदाहरण दिया जो पिछले साल की नीलामी के बाद उन टीमों से जुड़े जिनके साथ वह पिछली बार नहीं थे। उन्होंने कहा, 'नीलामी के बाद पहले साल कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो उन मैदानों पर पहली बार खेल रहे हैं। जैसे की फिल साल्ट पहले केकेआर के साथ पर इस बार आरसीबी की ओर से खेले। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम में नीतिश राणा नया है जो इसी साल से हमसे जुड़ा है। उसके लिये जयपुर का मैदान नया है। द्रविड़ के अनुसार सत्र आगे बढने के साथ ही खिलाड़ी अपने को मैदानों के अनुरूप ढाल लेंगे। उन्होंने कहा, 'जब बड़ी नीलामी होती है तो टीम बदलती है और घरेलू मैदान पर खेलने का शुरुआत में अधिक लाभ नहीं मिलता है पर बाद में समय के साथ ही लय मिलने लगती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। **जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण** कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

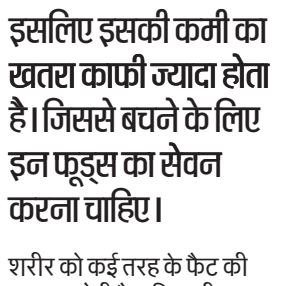

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई **कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी** डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

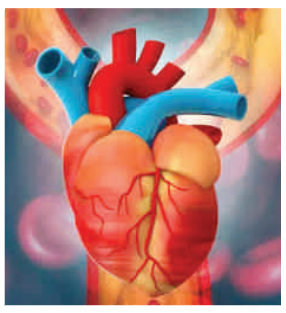

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ठुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फ्रूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

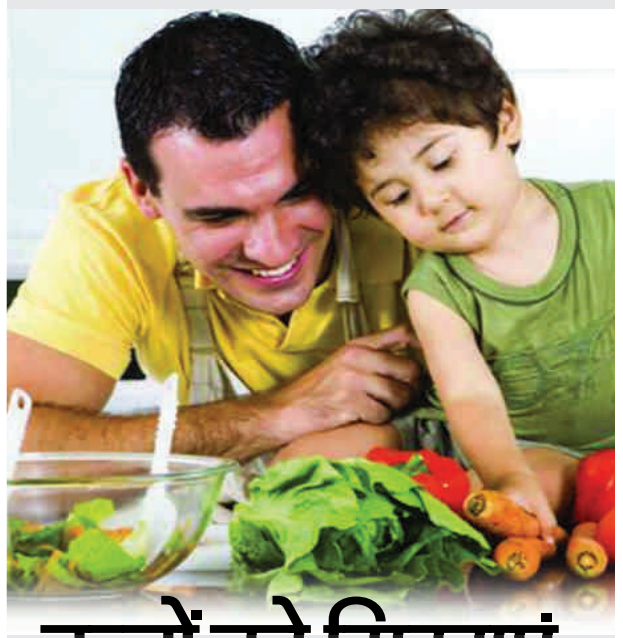

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा।

सभी साथ बैठकर खाएं

एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अन्य राज्यों में पढ़ रहे जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए सरकार ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने देश के अन्य राज्यों में पढ़ाई कर रहे राज्य के छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। अब किसी भी आपात स्थिति या आवश्यकता पड़ने पर छात्र हैलो जेएंडके हेल्पलाइन नंबर 7303620090 पर संपर्क कर सकते हैं। यह कदम हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते तनाव और छात्रों की सुरक्षा को लेकर उठाई गई चिंताओं के मद्देनज़र उठाया गया है। रेजिडेंट कमीशन द्वारा संचालित यह हेल्पलाइन नंबर सेवा छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई है। अधिकारियों का कहना है कि यह हेल्पलाइन सातों दिन चौबीस घंटे उपलब्ध रहेगी और छात्रों से जुड़े मामलों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी छात्रों और उनके परिवारों से आग्रह किया है कि वे किसी भी परेशानी की स्थिति में इस नंबर पर संपर्क करने में संकोच न करें।

30 साल से फरार चल रहा खालिस्तानी आतंकी मंगत सिंह गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने बुधवार देर रात प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के आतंकी मंगत सिंह उर्फ मंगा को गिरफ्तार किया है। जो करीब 30 साल से फरार चल रहा था। आरोपी मंगत पर 25 हजार रुपये का इनाम था और वह हत्या के प्रयास और आतंकवाद सहित कई मामलों में वांछित था। खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए, एटीएस नोएडा इकाई और साहिबाबाद पुलिस की एक संयुक्त टीम ने मंगत सिंह को पंजाब के अमृतसर में उसके पैतृक गांव टिम्बोवाल से ढूंढ निकाला और बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। एटीएस अधिकारियों ने कहा कि 1995 में जमानत पर रिहा होने के बाद मंगा भूमिगत हो गया था और तब से वह अपने ठिकाने और पहचान बदल रहा था।

14 माओवादी ने किया आत्मसमर्पण

-इस साल अब तक 250 माओवादियों सरेंडर कर चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में चौदह माओवादी ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आईजीपी ने कहा कि इस साल अब तक करीब 250 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 से अब तक 12 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में पुलिस ने बताया कि माओवादियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम ऑपरेशन च्युता चलाया जा रहा था, जिसके तहत विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानने के बाद माओवादी हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले अधिकांश माओवादी पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के हैं।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ जवान को पकड़ा

अमृतसर, (एजेंसी)। भारत से बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) का जवान पीके सिंह गलती से बीएसएफ पोस्ट जलोके दोना के पास जीरो लाइन पार कर पाकिस्तानी क्षेत्र में चला गया। उसे सीमा पर पाक रेंजर्स ने हिरासत में लिया। जवान को हिरासत में लेने के पाकिस्तानी मीडिया ने फोटो जारी किए हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पंजाब में केंद्र सरकार के अटारी बॉर्डर बंद करने के ऐलान के बाद वीजा लेकर भारत आए पाकिस्तानी नागरिक अटारी चेक पोस्ट से वापस लौट रहे हैं। कोई मायके तो कोई रिश्तेदारी में आया था। भारत सरकार ने पाकिस्तान लौटने के लिए 48 घंटे का समय दिया है।

आर्मी क्षेत्र में फिर दिखा पैंथर, सड़क पार करते सीसीटीवी में हुआ कैद

कोटा (एजेंसी)। कोटा शहर में एक बार फिर वन्यजीवों की मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों और वन विभाग को सतर्क कर दिया है। इस बार पैंथर का मूवमेंट स्टेशन क्षेत्र के आर्मी इलाके में देखा गया है। जानकारी अनुसार सोमवार 22 अप्रैल की रात आर्मी इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक पैंथर को सड़क पार करते हुए साफ देखा गया। प्रत्यक्षदर्शी सूत्रों के अनुसार, यह पैंथर पिछले करीब 10 दिनों से स्टेशन क्षेत्र के इंजीनियरिंग सेक्शन के आस-पास दिखाई दे रहा है। शाम के समय नियमित वॉक और रनिंग करने वाले सेना के अधिकारी और जवान इस पैंथर को कई बार देख चुके हैं। सीसीटीवी फुटेज में पैंथर को रात 8 बजे के करीब सड़क पार करते हुए देखा गया, जो उस इलाके में बने फैमिली क्वार्टर्स के नजदीक से गुजरा। क्षेत्र में घना जंगल और जंगली जीव-जंतु जैसे सांभर आदि पहले से मौजूद हैं, जिससे यह आशंका और बढ़ गई है कि पैंथर इसी जंगल में रह रहा है। अब तक सेना की ओर से वन विभाग से पैंथर के रेस्क्यू को लेकर कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है।

आतंकी हमले के बाद पहलगाम की सड़कें सुनसान, हर तरफ फैला सन्नाटा

पहलगाम (एजेंसी)। आतंकी हमले का असर सिर्फ पहलगाम में ही नहीं बल्कि पूरे जम्मू कश्मीर में दिख रहा है। एक दिन पहले जहां पूरा पहलगाम पर्यटकों से भरा था वहीं अब हर तरफ सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहलगाम की सड़कें सुनसान है। आतंकी हमला होने के बाद से पहलगाम में लोग ना के बराबर दिख रहे है। पहलगाम के सभी बाजार बंद हो गए है। पहलगाम का नजारा देखकर लॉकडाउन की याद आ रही है। बता दें कि ऐसा होने पर जम्मू कश्मीर के पर्यटन उद्योग में भी असर देखने को मिलेगा।

आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता, पाकिस्तान के खिलाफ कठोर फैसला ले सरकार-अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार को इस मामले में और भी कठोर फैसले लेने चाहिए थे और उनका सख्ती से पालन कराने पर भी बात करनी चाहिए थी। वहीं उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी पार्टी को ऐसी घटना से राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह देश का सवाल है। यहां के लोग मिलकर साथ रहकर दुनिया के बराबर चलना चाहते हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गुरुवार को यहां पत्रकार वार्ता में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मामले पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर यादव ने कहा कि जो फैसले लिए गए हैं, उससे भी कठोर फैसले लेने चाहिए थे। कठोर फैसले ही नहीं बल्कि उन्हें कठोरता से लागू कैसे किया जाए, इस पर भी बात हो। केवल बयान न दिए जाएं। सर्वदलीय बैठक में हम अपना यह पक्ष और सुझाव रखेंगे।

सपा प्रमुख ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता समाप्त करने के भारत सरकार के फैसले की तरफ इशारा करते हुए कहा कि सरकार ने जितने कठोर फैसले लिए हैं, उतने ही कठोर तरीके से उनका पालन भी हो क्योंकि अगर पानी को रोकना है तो उसके लिए क्या आपके पास कोई व्यवस्था है? यह बहुत लंबी प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि हम घटना की निंदा करते हैं। सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे क्योंकि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। आतंकवादी किसी धर्म के नहीं होते। उनका मुख्य मकसद यही है कि डर पैदा करें और देश तथा प्रदेश के कारोबार को रोकें। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव दिल्ली में होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल होंगे और पार्टी का पक्ष रखने के साथ-साथ सुझाव भी देंगे।

सपा मुखिया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, किसी भी पार्टी को ऐसी घटना से राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह देश का सवाल है। यहां के लोग मिलकर साथ रहकर दुनिया के बराबर चलना चाहते हैं। सर्वदलीय बैठक में यह सुझाव भी हमारी पार्टी की तरफ से होगा कि सोशल मीडिया पर टारगेटेड और एनिमेशन के साथ राजनीतिक पार्टी के नेता समाज में जहर घोल रहे हैं या किसी नेता के बारे में गलत कह सकते हैं, ऐसे में यह भारत सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसी चीजों को रोका जाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने तंज करते हुए कहा कि हम लोगों की उम्मीद तो और भी बढ़ी थी जब नोटबंदी का फैसला हुआ था। उससे भी ज्यादा उम्मीद तब बढ़ी थी जब अनुच्छेद 370 हट रहा था, और उससे भी ज्यादा उम्मीद इसलिए बढ़ी कि सारी नियुक्तियां उन्हीं ने (भाजपा) की हैं। हर फैसला मनमर्जी से लिया गया है।

माता के श्रद्धालुओं में आई कमी, घोड़े-पिट्ठू, पालकी वालों और कारोबारियों में निराशा

कटड़ा। जम्मू-कश्मीर में पल-पल मौसम बदल रहा है। कटड़ा में एकाएक तेज हवा के साथ वर्षा और ओलावृष्टि शुरू हो गई। मां वैष्णो देवी मार्ग पर ओले गिरने से हल्की सफेद चादर बिछ गई। करीब एक घंटा तक ओले गिरते रहे, जिससे मां वैष्णो देवी के मार्ग, भवन परिसर और कटड़ा में जैसे हल्की सफेद चादर बिछ गई हो। इससे ठंड का अहसास भी होने लगा। मौसम के इस मिजाज के कारण दर्शन को जाने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कत हुई। मौसम के तेवर को देखकर भवन मार्ग पर आपदा प्रबंधन दल के साथ श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं। फिलहाल मां वैष्णो देवी के सभी मार्ग पूरी तरह से सुचारु है, लेकिन कटड़ा-सांछीछत के बीच चलने वाली हेलीकाप्टर सेवा दिन में अधिकांश समय बाधित ही रही। बैटरी कार और केबल कार सेवा बहाल रही। करीब 20,800 श्रद्धालु भवन की ओर रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं का आना जारी था। इससे पूर्व रविवार को 30,072 श्रद्धालुओं ने माता दरबार में हाजिरी लगाई थी।

व्यापारी वर्ग में निराशा- हालांकि, छुट्टियों के खत्म होने के बाद से और मौसम में आए बदलाव की वजह से माता के दरबार में श्रद्धालुओं की कमी देखने को मिल रही है। श्रद्धालुओं में आई कमी की वजह से घोड़े-पिट्ठू, पालकी वालों के साथ-साथ व्यापारी वर्ग में निराशा देखने को मिल रही है।

केंद्र के आदेश के बाद क्या सीमा हैदर जाएगी पाकिस्तान? उठने लगे सवाल

-सीमा नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से हुई थी दाखिल, सचिन से की थी शादी

नोएडा (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने देश में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने और 48 घंटे के अंदर भारत छोड़ने का आदेश जारी किया है। इस फैसले के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में सीमा हैदर आई हैं। सीमा पाकिस्तान से अवैध रूप से भारत आई थी और अब ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में भारतीय युवक सचिन मीणा की पत्नी के रूप में रह रही है। सीमा हैदर नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से दाखिल हुई थी। भारत आने के बाद सीमा ने सचिन मीणा से शादी कर ली। सीमा अब सचिन के साथ रह रही है और दोनों का एक बच्चा भी है, जिसका जन्म भारत में हुआ है। सरकार के ताजा आदेश के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या सीमा हैदर को भी भारत छोड़ना होगा? विशेषज्ञों की मानें तो मामला जटिल है। पहली बात, सरकार ने उन पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किए हैं जो वैध रूप से भारत में रह रहे थे, जबकि सीमा हैदर बिना वीजा के अवैध रूप से भारत आई थीं। इसलिए यह आदेश उस पर सीधे तौर पर लागू नहीं होता। दूसरी बात सीमा अब एक भारतीय नागरिक की पत्नी है और उनके बच्चे का जन्म भारत में हुआ है, जिससे मानवीय और कानूनी पहलू इस मामले में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सीमा की नागरिकता और भारत में उसके अवैध प्रवेश से जुड़ा मामला अदालत में लंबित है। सीमा हैदर के वकील एपी सिंह ने बताया कि सीमा के एक बच्ची भारत में ही पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि मर्सी पिटिशन पहले ही दाखिल की जा चुकी है और भारत सरकार से संपर्क में हैं। उनका कहना है कि सीमा अब भारत की बहू है और उसकी नागरिकता की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, बढ़ते भारत-पाकिस्तान तनाव और राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 5 हजार जवान ऑपरेशन पर, 300 नक्सलियों को पहाड़ पर सुरक्षाबलों ने घेरा

बड़े नक्सल लीडरों को घेरा, तीन को किया ढेर

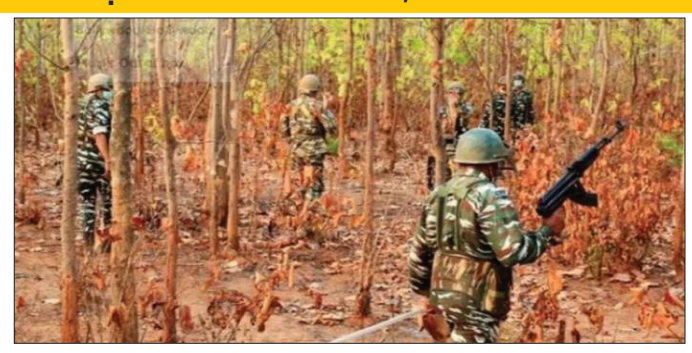

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना-महाराष्ट्र की सीमा पर करीब 5 हजार जवानों ने अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है। यहां स्थित कर्रेगट्टा, नडपल्ली, पुजारी कांकेर की पहाड़ी पर हिड़मा, दामोदर, देवा समेत कई बड़े नक्सलियों और उनकी बटालियन को घेर लिया है। इसमें करीब 300 नक्सलियों के होने की सूचना है। ऑपरेशन 12 घंटे से अधिक समय से चल रहा है। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग भी हो रही है। सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए हैं।

इंटेलिजेंस की माने तो नक्सलियों के पास पर्याप्त राशन पानी नहीं है। अगर है भी तो वो कुछ ही दिन चलेगा। तीनों राज्यों की फोर्स ने चारों तरफ से पहाड़ को घेर रखा है। अगर वे नीचे आए या फिर किसी भी राज्य की तरफ मूवमेंट किए तो उनका एनकाउंटर होना निश्चित है। इस इलाके में नक्सलियों की बटालियन नंबर 1, 2, समेत अन्य कंपनियां सक्रिय हैं। टॉप लीडर हिड़मा, देवा, विकास समेत आंध्र-तेलंगाना-महाराष्ट्र के सेंट्रल कमेटी, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी, डिविजनल कमेटी मेंबर,एरिया कमेटी मेंबर, संगठन सचिव जैसे बड़े केडर के नक्सली भी यहां मौजूद हैं।

हफ्तेभर का राशन लेकर ऑपरेशन पर फोर्स

अब तक जो इनपुट सामने आए हैं उसके आधार पर महाराष्ट्र से सी-60 कमांडोज, तेलंगाना से ग्रेहाउंड्स और छत्तीसगढ़ से डीआरजी के हजारों जवान करीब सप्ताहभर का रसद सामान लेकर ऑपरेशन पर हैं। तेलंगाना की तरफ से मुलुगु का वेंकटपुरम, छत्तीसगढ़ से नम्बी, पुजारी कांकेर और उसूर नजदीक का इलाका है। यह इलाका नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा के गृहगांव पूवर्ती से 20 से 30 किमी की दूरी पर ही है। पूवर्ती से आगे रायगुडेम तक सुरक्षाबलों का कैंप स्थापित कर लिया गया है। सूत्र बता रहे हैं कि पुजारी कांकेर और नम्बी से ही नक्सलियों का रसद सामान जाता था। पहले पूवर्ती से भी आवश्यकताओं की पूर्ति होती थी, लेकिन यहां तक फोर्स पहुंच चुकी है। उधर, तेलंगाना के वेंकटपुरम से भी नक्सली अपनी जरूरतें पूरी करते हैं, लेकिन फोर्स ने इनके सप्लाई चेन को तोड़ दिया है।

चारों तरफ बिछा रखा है बारूद

कुछ दिन पहले तेलंगाना कैडर के नक्सली शांता ने एक प्रेस नोट जारी किया था। जिसमें लिखा था कि कर्रेगट्टा की पहाड़ी पर नक्सलियों ने सैकड़ों बम बिछा रखे हैं। पहाड़ी के चारों तरफ बारूद है। इसलिए किसी भी ग्रामीण को इस इलाके में न आने की हिदायत दी थी। वहीं नक्सलियों को कहीं न कहीं इस बात की भनक पहले ही लग गई थी कि फोर्स यहां बड़ा ऑपरेशन लॉन्च करने वाली है। इसलिए नक्सलियों ने भी पहले से ही तैयारी कर रखी है। और ढ्ढश्वष्ठ प्लांट कर ग्रामीणों को सचेत करना उनकी प्लानिंग का एक हिस्सा है।

ड्रोन और हेलिकॉप्टर से निगरानी, नक्सलियों के बंकर भी

इस पूरे इलाके में फोर्स के करीब 2 से 3 हेलिकॉप्टर घूम रहे हैं। वहीं दर्जनों ड्रोन से इलाके की निगरानी रखी जा रही है। वहीं पहाड़ियों की कुछ श्रृंखला ऐसी है जो 40 से 50 मीटर खड़ी है। यहां छिपने के लिए नक्सलियों ने दर्जनों बंकर बना रखे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में गोधरा कांड पर सुनवाई 6-7 मई को

गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है ; दोषियों को फांसी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में 6 और 7 मई को 2002 के गोधरा कांड मामले में गुजरात सरकार और दोषियों की याचिकाओं पर सुनवाई होगी। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

बेंच ने बताया कि वह 6 और 7 मई को अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। पूरी सुनवाई में कम से कम दो हफ्ते का समय लगेगा। 6 और 7 मई को पूरे दिन सुनवाई होगी। इस दौरान किसी अन्य मामले पर तब तक सुनवाई नहीं होगी जब तक कि कोर्ट की तरफ से विशेष तौर पर नहीं कहा जाए। बेंच ने दोषियों में से एक की ओर से पेश वकील संजय हेगड़े से 3 मई तक अपनी दलीलों को कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया है। दलील में दोषी पर लगे आरोपों की लिस्ट, निचली अदालतों के फैसलों का ब्योरा देना है।

27 फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 डिब्बे में आग लगा दी गई थी। ट्रेन में अयोध्या से लौट रहे 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। गुजरात सरकार ने इस मामले में 11 दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने के हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है।

31 दोषियों में 11 को फांसी की सजा मिली थी

गोधरा कांड के बाद चले मुकदमों में करीब 9 साल बाद 31 लोगों को दोषी ठहराया गया था। 2011 में एसआईटी कोर्ट ने 11 दोषियों को फांसी और 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में अक्टूबर 2017 में गुजरात हाईकोर्ट ने 11 दोषियों की फांसी की सजा को भी उम्रकैद में बदल दिया था। गुजरात हाईकोर्ट ने फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की हैं। गुजरात सरकार ने फरवरी 2023 में कहा था कि वह उन 11 दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग करेगी, जिनकी सजा को हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया था। दूसरी तरफ कई दोषियों ने मामले में उन्हें दोषी बरकरार रखने के फैसले को चुनौती दी है।

दंगों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए

गोधरा कांड के बाद गुजरात दंगों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें 790 मुसलमान और 254 हिंदू थे। गोधरा कांड के एक दिन बाद 28 फरवरी को अहमदाबाद की गुलबर्ग हाउसिंग सोसाइटी में बेकाबू भीड़ ने 69 लोगों की हत्या कर दी थी। मरने वालों में उसी सोसाइटी में रहने वाले कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी शामिल थे। इन दंगों से राज्य में हालात इस कदर बिगड़ गए कि स्थिति काबू में करने के लिए तीसरे दिन सेना उतारनी पड़ी थी।

मोदी को मिली थी क्लीन चिट

गुजरात में इस घटना के समय नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री थे। मार्च 2002 में उन्होंने गोधरा कांड की जांच के लिए नानावटी-शाह आयोग बनाया। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज केजी शाह और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जीटी नानावटी इसके सदस्य बने। आयोग ने अपनी रिपोर्ट का पहला हिस्सा सितंबर 2008 को पेश किया। इसमें गोधरा कांड को सोची-समझी साजिश बताया गया। साथ ही नरेंद्र मोदी, उनके मंत्रियों और वरिष्ठ अफसरों को क्लीन चिट दी गई। 2009 में जस्टिस केजी शाह का निधन हो गया, जिसके बाद गुजरात हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अक्षय मेहता इसके सदस्य बने और तब आयोग का नाम नानावटी-मेहता आयोग हो गया। आयोग ने दिसंबर 2019 में अपनी रिपोर्ट का दूसरा हिस्सा पेश किया।

जमानत पर बाहर रहना है तो मंत्री पद छोड़ना होगा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल की हवा खा चुके तमिलनाडु के मंत्री सेंथल बालाजी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग केस में सेंथिल बालाजी को दी गई जमानत को वापस लेने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उन पर जमानत की शर्तों को तोड़ने का आरोप है। इस पर कोर्ट ने साफ कर दिया कि जमानत पर बाहर रहना है तो मंत्री पद छोड़ना होगा।

न्यायमूर्ति अभय ओका की बेंच ने साफ कह दिया कि अगर जमानत पर बाहर रहना है तो मंत्री पद छोड़ना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल बालाजी से कहा, हम इस आचरण को बर्दाश्त नहीं करेंगे! हम आपको एक विकल्प दे रहे हैं-आजादी या मंत्रिमंडल का पद? सेंथिल बालाजी ने सुप्रीम कोर्ट के टफ स्टैंड को देखते हुए कहा कि वह सोमवार तक अपना निर्णय लेंगे और सुप्रीम कोर्ट को सूचित करेंगे कि क्या वह मंत्री पद पर बने रहेंगे या नहीं? यह मामला तमिलनाडु में कथित नौकरी के बदले नकद घोटाले से जुड़ा है। न्यायमूर्ति अभय ओका ने सेंथिल बालाजी को फटकार लगाते हुए कहा कि जमानत देने का मतलब यह नहीं कि आपको पद पर बने रहने की शक्ति भी दी गई है, जिससे आप पीड़ितों को प्रभावित करें!

न्यायमूर्ति ओका ने सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी से कहा, जब वह मंत्री थे तब उनके द्वारा समझौता कराने के तरीके पर स्पष्ट टिप्पणियां दर्ज की गई थीं। हमने उन्हें वह अधिकार नहीं दिया कि वह सत्ता में लौटकर गवाहों को प्रभावित करें। सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल बालाजी से कहा, 'आपका पिछला आचरण दर्शाता है कि आपने गवाहों को प्रभावित किया है और अब आप फिर से मंत्री बन गए हैं! सेंथिल बालाजी साल 2011-2016 के दौरान परिवहन मंत्री थे। तब कैश-फॉर-जॉब घोटाला सामने आया था। आरोप है कि उन्होंने नौकरी के बदले रिश्वत ली। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने इस मामले में जून 2023 में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत उन्हें गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सितंबर 2024 में 15 महीने की हिरासत और ट्रायल में देरी के आधार पर जमानत दी, लेकिन कठोर शर्तें लगाईं।

बिहार चुनाव से छह महीने पहले आए एक सर्वे ने बढ़ाई एनडीए की मुश्किलें

-नीतीश की लोकप्रियता में गिरावट...तेजस्वी सीएम पद की पहली पसंद

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव में बमुश्किल छह महीने बचे हैं। बाकी तैयारियां अपनी जगह हैं, लेकिन मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार भी मैदान में नजर आने लगे हैं - और हाल के एक सर्वे की माने तो नीतीश कुमार के सामने नई चुनौतियां खड़ी होने लगी हैं। जहां उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है, वहीं तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। पहले से मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के बारे में तो लोगों को मालूम है ही, सर्वे में नये खिलाड़ी प्रशांत किशोर भी होड़ में शामिल बताये जा रहे हैं - और वो भी लोगों की पसंद के मामले में नीतीश कुमार से आगे ही चल रहे हैं।

तेजस्वी यादव का तो 2020 के चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन देखा गया। पांच साल बात भी तेजस्वी यादव ने न सिर्फ वही तेवर बरकरार रखा है, बल्कि मुख्यमंत्री पद की पसंद के मामले में वो, सर्वे के मुताबिक, नीतीश कुमार पर भी भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। सर्वे में नीतीश कुमार को लेकर जो बात सामने आई है, वो बहुत हैरान करने वाली भी नहीं है। नीतीश कुमार की लोकप्रियता में गिरावट तो 2020 में ही दर्ज की गई थी - और आखिरी चुनावी रैली में तो नीतीश कुमार ने खुद ही बोल दिया था, अंत भला तो सब भला। सुनकर बहुतों को लगा जैसे अलविदा कह रहे हों। पहले की चुनावी रैलियों में भी देखकर लगता था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हर जगह नीतीश कुमार को संभालने की कोशिश कर रहे हों। और, नीतीश कुमार पूरी तरह सरेंडर कर चुके हों।

तेजस्वी यादव की लोकप्रियता बढ़ी

2020 के बिहार चुनाव में बहुमत के करीब पहुंच कर चूक गये तेजस्वी यादव को सर्वे में शामिल लोगों ने मुख्यमंत्री पद का सबसे पसंदीदा चेहरा बताया है। लोकप्रियता के पैमाने पर देखें तो तेजस्वी यादव फिलहाल 35.5 फीसदी लोगों की पसंद बने हुए हैं, जबकि पहले उनकी लोकप्रियता 40.6 फीसदी दर्ज की गई थी। चुनाव जीतकर बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लालू यादव हर तरकीब आजमा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी अब तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री पद की राह में रोड़े अटका दे रहे हैं। कांग्रेस ने अभी तक तेजस्वी यादव के महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को मंजूरी नहीं दी है। कांग्रेस नेताओं की पैंतरेबाजी बिहार में भी दिल्ली जैसी ही दिखाई दे रही है, जो अरविंद केजरीवाल के सत्ता गंवाने की एक बड़ी वजह बनी थी।

नीतीश कुमार लोगों की तीसरी पसंद

नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में लोगों की तीसरी पसंद बताये गये हैं। सर्वे के अनुसार, नीतीश कुमार की लोकप्रियता में 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा रही है। क्योंकि, फरवरी, 2025 में नीतीश कुमार की लोकप्रियता 18 फीसदी पाई गई थी, और अब यानी अप्रैल में 15 फीसदी रह गई है। नीतीश कुमार का आकलन तो नहीं, लेकिन प्रशांत किशोर के बारे में लोगों की राय थोड़ा हैरान करती है। हैरानी इसलिए भी होती है क्योंकि बिहार में जैसा राजनीतिक समीकरण देखा जाता है, उसमें प्रशांत किशोर मिसफिट ही माने जाते रहे हैं।

प्रशांत किशोर दूसरे पायदान पर

मुख्यमंत्री पद के पसंदीदा चेहरों की रैंकिंग में प्रशांत किशोर दूसरे पायदान पर पाये गये हैं। मतलब, नीतीश कुमार से भी एक पायदान ऊपर। मतलब, नीतीश कुमार से ज्यादा पसंदीदा मुख्यमंत्री पद के दावेदार। सर्वे के मुताबिक, प्रशांत किशोर की लोकप्रियता में करीब दो फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। पहले उनकी लोकप्रियता 14.9 फीसदी पाई गई थी, जो अब बढ़कर 17.2 फीसदी हो गई है। प्रशांत किशोर के राजनीति प्रभाव की बात करें तो काफी दिनों से वो बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं। जन सुराज यात्रा के बाद वो जन सुराज पार्टी भी बना चुके हैं - और पिछले साल हुए उपचुनावों में अपने उम्मीदवारों को चुनाव लड़ा भी चुके हैं। करीब 10 फीसदी वोटों की हिस्सेदारी लेकर प्रशांत किशोर ने दस्तक तो दे ही डाली है, और बिहार में छात्रों के आंदोलन का सपोर्ट कर वो विवादों के बाद खुद की अलग छाप भी छोड़ चुके हैं - बेरोजगारी और बुनियादी समस्याओं पर बात करने के साथ ही, प्रशांत किशोर ये भी कह रहे हैं कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो इस बार छठ पर घर आने वाले युवाओं को काम के लिए लौट कर जाना नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री पद के दावेदार तो और भी हैं मैदान में

महागठबंधन की ही तरह एनडीए में भी मुख्यमंत्री पद को लेकर लड़ाई नजर आने लगी है। नये दावेदार चिराग पासवान भी लगता है होड़ में शामिल हो गये हैं। सर्वे में तो चौथे पायदान पर मुख्यमंत्री पद के दावेदार बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ही हैं, लेकिन चिराग पासवान के समर्थक कुछ ज्यादा ही उछलने लगे हैं। चर्चा थोड़ी गंभीर इसलिए हो जा रही है, क्योंकि चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा का चुनाव लडने का भी संकेत दे दिया है। फिलहाल वो केंद्र की एनडीए सरकार में मंत्री हैं। सम्राट चौधरी को बीजेपी ने नीतीश कुमार की लव-कुश समीकरण वाली राजनीति को काउंटर करने के लिए मैदान में उतारा है, तो चिराग पासवान तो नीतीश कुमार को बर्बाद करने में मोदी का हनुमान बनकर पांच साल पहले ही अपना जौहर दिखा चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

टेस्ला के गिरते शेयरों से घबराए मस्क, बोले- मई से कंपनी पर करेंगे ज्यादा फोकस

वॉशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क ने कहा है कि वे मई से टेस्ला को ज्यादा समय देंगे। मस्क का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पहली तिमाही में टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट आई है। टेस्ला को इन दिनों लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। मस्क के सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी से निकालने से अमेरिका का एक बड़ा वर्ग मस्क से नाराज है। इसका सीधा असर टेस्ला पर पड़ रहा है। टेक्सास के ऑस्टिन में टेस्ला का मुख्यालय है। टेस्ला ने मंगलवार को बताया कि उनके मुनाफे में 71 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 40 करोड़ डॉलर रहा। यह अनुमानों से भी ज्यादा है। टेस्ला का राजस्व भी 9 प्रतिशत कम हुआ है और यह 19 अरब डॉलर है। टेस्ला को लेकर लोगों में इतनी नाराजगी है कि टेस्ला की कारों में तोड़फोड़ की जा रही है। कंपनी को अपनी कारें बेचने में काफी परेशानी हो रही है। राष्ट्रपति ट्रंप भी सार्वजनिक तौर पर टेस्ला का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद हालात नहीं सुधरे हैं। यही वजह है कि अब मस्क ने खुद टेस्ला पर मई से फोकस करने और कंपनी को ज्यादा समय देने का एलान कर दिया है। टेस्ला के कई निवेशक भी शिकायत कर चुके हैं कि सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर मस्क अपने बिजनेस पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। वेडबुश सिक्योरिटीज के डैन इवेस का कहना है कि यह सही दिशा में लिया गया कदम है। निवेशक भी चाहते हैं कि मस्क टेस्ला पर ध्यान दें। टेस्ला के शेयर इस साल 40 प्रतिशत गिरे हैं। साथ ही टेस्ला को चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी बीवाईडी से भी तगड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। ट्रंप के टैरिफ का भी असर टेस्ला पर पड़ने की आशंका है।

फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष को हटाने का कोई इरादा नहीं : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को हटाने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि वे अमेरिकी केंद्रीय बैंक के प्रमुख को हटाना चाहते हैं, क्योंकि वे फेड द्वारा अल्पकालिक ब्याज दरों में कटौती पर रोक लगाने से निराश हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद शेयर बाजार में बिकवाली हुई। फेड अध्यक्ष पॉवेल ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ धीमी वृद्धि और उच्च मुद्रास्फीति दबावों के बारे में अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं, जबकि राष्ट्रपति का कहना है कि मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं अनिवार्य रूप से अस्तित्वहीन हैं। ट्रंप ने कहा कि ऊर्जा और किराने की कीमतें गिर रही हैं। इसलिए फेड को अपनी बेंचमार्क दरों में कटौती करनी चाहिए, क्योंकि मुद्रास्फीति अब अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरा नहीं है।

अमेरिका से निकाले प्रवासियों को तीन महीने तक देश में रहने की अनुमति देगा कोस्टा रिका

वाशिंगटन, एजेंसी। कोस्टा रिका ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अमेरिका से निर्वासित और मध्य अमेरिकी देश में हिरासत में रखे गए लगभग 200 प्रवासियों में से कुछ को तीन महीने तक स्वतंत्र रूप से रहने और घूमने की अनुमति देगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब मानवाधिकार वकीलों ने कोस्टा रिका पर कुछ दिनों पहले मुकदमा दायर किया है। वकीलों ने आरोप लगाया है कि सरकार ने 81 प्रवासी बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन किया है। उन्हें बिना किसी कानूनी उपाय, शिक्षा या मनोवैज्ञानिक सेवाओं तक पहुंच के ग्रामीण शिविर में हिरासत में रखा है। हालांकि, इस बात की तत्काल कोई जानकारी नहीं है कि कितने प्रवासियों को परमिट दिए जाएंगे, जो ज्यादातर अफगानिस्तान, रूस, चीन, पाकिस्तान, भारत और अन्य देशों से हैं। सरकार ने कहा है कि परमिट मानवीय कारणों से दिए जाएंगे और तीन महीने तक चलेंगे। जब तक कि प्रवासी कोस्टा रिका में शरण नहीं ले लेते या देश छोड़ने के तरीके नहीं तलाश लेते।

चीन के बीजिंग में पुल ढहा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के बीजिंग में एक पुल ढहने की खबर है। बीजिंग म्यूनिसिपल कमीशन ऑफ ट्रांसपोर्ट ने यह जानकारी दी है। गनीमत है कि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे की वजहों की जांच की जा रही है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की यूरोपीय संघ ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

ब्रसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लियेन ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कई बेगुनाहों की जान गई है। मेरी हर भारतीय से लेकर पीएम मोदी तक सभी के प्रति संवेदनाएं हैं। मुझे पता है कि भारत के विश्वास को तोड़ा नहीं जा सकता। आप इस संकट से मजबूत होकर उभरेंगे और पूरा यूरोप आपके साथ खड़ा है।

पुतिन जंग रोकने के लिए डील को तैयार लेकिन क्या क्रीमिया-डोनबास इलाका छोड़ेगा यूक्रेन?

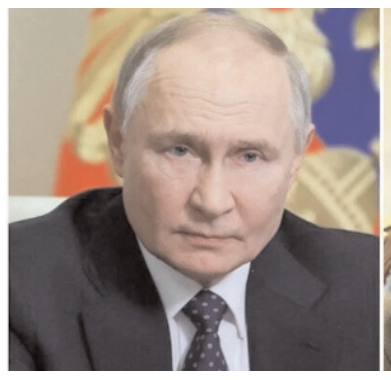

मास्को, एजेंसी। पिछले तीन सालों से अधिक समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक बयान से अहम मोड़ आया है. राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध समाप्त करने के लिए यूक्रेन को सीधी बातचीत का ऑफर दिया है. पुतिन ने कहा है कि वो ईस्टर युद्धविराम के बाद अब और युद्धविराम के लिए तैयार हैं. रूसी राष्ट्रपति ने ईस्टर के मौके पर एक दिन के एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी. अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बढ़ते दबाव के बीच पुतिन ने युद्धविराम के लिए यूक्रेन को सीधी बातचीत का प्रस्ताव दिया है. फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों में किसी तरह की बातचीत नहीं हुई है. राष्ट्रपति पुतिन के सीधी बातचीत का संकेत देने के बाद रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन की तरफ से भी इस संबंध में टिप्पणी सामने आई है. क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एक सवाल के जवाब में कहा, जब राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिकों पर हमला न करने के मुद्दे पर द्विपक्षीय चर्चा सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा करना संभव है, तो राष्ट्रपति के मन में यूक्रेनी पक्ष के साथ बातचीत और विचार-विमर्श की बात थी. दुनिया आजतक- यूक्रेन का भीषण हमला, रूस के शहर पर दागे 100 से ज्यादा ड्रोन इधर, जेलेंस्की ने रात को जारी को एक वीडियो संदेश में कहा कि यूक्रेन रूस से सीधा जवाब चाहता है कि वो नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले रोकेगा या नहीं. इस हफ्ते लंदन में यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका और यूरोपीय देशों से बातचीत करने वाला है. पिछले हफ्ते पेरिस में भी एक वार्ता हुई थी जिसमें युद्ध रोकने पर बात हुई थी. रूस और यूक्रेन दोनों ही पक्षों पर इस वक्त युद्ध रोकने के लिए अमेरिका का दबाव बढ़ रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से धमकी भी दी गई है कि अगर जल्द ही कोई शांति समझौता नहीं होता तो वो भविष्य में होने वाली बातचीत से बाहर हो जाएंगे. ट्रंप के इसी दबाव के बीच पुतिन ने यूक्रेन को सीधी बातचीत का प्रस्ताव दिया है. क्या क्रीमिया और डोनबास इलाके को छोड़ने पर राजी होगा यूक्रेन? लेकिन सीधी बातचीत के पुतिन के प्रस्ताव के बीच एक सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या यूक्रेन डोनबास और क्रीमिया को छोड़ने पर राजी होगा. रूस ने पहले ही कह दिया है कि बातचीत में क्रीमिया और डोनबास इलाके पर कोई बात नहीं होगी यानी वो किसी भी तरह से इन इलाकों को छोड़ने के लिए राजी नहीं है. रूस ने 2014 में यूक्रेन के साथ युद्ध में क्रीमिया पर अपना कब्जा किया था. इस कब्जे के बाद यूक्रेन का डोनबास इलाका जिसमें दोनेत्स्क और लुहांस्क शामिल है, अस्थिर हो उठा. वहां रूस समर्थित विद्रोहियों ने यूक्रेनी सेना से लड़ाई शुरू कर दी जो रूस के यूक्रेन पर हमला करने तक जारी रही. फरवरी 2022 में जब दोबारा युद्ध शुरू हुआ तब रूस ने डोनबास इलाके पर अपना कब्जा कर लिया. रूस ने यूक्रेन के जापोरिज्जिया और खेरसॉन पर भी अपना कब्जा कर लिया है. रूस इन चारों इलाकों के बड़े हिस्से पर अपना नियंत्रण रखता है लेकिन इनके संपूर्ण क्षेत्र को कब्जाने में नाकाम रहा है. केवल लुहांस्क पर ही रूस का पूर्ण नियंत्रण है. रूस यूक्रेन को एक नाजी देश कहकर संबोधित करता है. रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया था तब पुतिन ने यूक्रेन के विद्रोही राज्यों को स्वतंत्र घोषित कर दिया था. उन्होंने कहा था कि इन इलाकों में रूसी बोलने वाले लोग हैं जिनकी यूक्रेन से रक्षा की जानी चाहिए. किसी भी शांति समझौते के लिए रूस की मांग रही है कि इन चारों इलाकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूसी क्षेत्र की मान्यता मिले और यूक्रेनी सैनिक इन इलाकों से पूरी तरह से बाहर निकल जाएं. क्या कहते हैं जेलेंस्की? पिछले साल दिसंबर में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने इलाके नहीं छोड़ सकते हैं लेकिन उनके पास इतनी क्षमता भी नहीं है कि वो रूसी कब्जे से अपने इलाकों को छुड़ा सकें. जेलेंस्की ने कहा था, हम अपने इलाकों को नहीं छोड़ सकते हैं. यूक्रेन का संविधान हमें ऐसा करने से रोकता है।

ये इलाके लेकिन अब रूसी नियंत्रण में हैं. हमारे पास उतनी ताकत नहीं है कि हम दोबारा उन इलाकों को कब्जे से छुड़ा सकें. अब हमें बस अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सहारा है कि वो राजनयिक दबाव डालें ताकि पुतिन बातचीत की टेबल पर आएं. बीते शुक्रवार को ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि ट्रंप प्रशासन रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए शांति समझौते में क्रीमिया को रूसी क्षेत्र को मान्यता दे सकते हैं. लेकिन जेलेंस्की का कहना है कि वो किसी भी शांति समझौते के रूप में क्रीमिया या किसी अन्य इलाके को रूस का हिस्सा नहीं मानेंगे.

पाकिस्तान ने पूरी बेशर्मी से पहलगाम आतंकी हमले से पल्ला झाड़ा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने एक बार फिर वहीं किया, जो वो इतने वर्षों से करता आ रहा है और पहलगाम आतंकी हमले में हाथ होने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं पाकिस्तान की सरकार ने बेशर्मी के साथ दावा किया है कि भारत में कई जगहों पर बगावत है और पहलगाम का हमला भी उसी बगावत का नतीजा है। दरअसल पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल के साथ बातचीत में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान का पहलगाम आतंकी हमले से कोई ताल्लुक नहीं है। ये घरेलू बगावत का नतीजा है। भारत में नगालैंड से लेकर कश्मीर और मणिपुर आदि जगहों पर दिल्ली की हुकूमत के खिलाफ बगावत हुई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने यहां भी अल्पसंख्यकों के शोषण के बेतुके आरोप लगाए और सीमापार आतंकवाद को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया, जबकि पूरी दुनिया में ये साबित हो चुका है कि पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है। पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर ए तैयबा से जुड़े संगठन टीआरएफ ने ली है। हैरानी की बात ये है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बेशर्मी के साथ पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने से इनकार कर रहे हैं, लेकिन लश्कर ए तैयबा का प्रमुख जकी उर रहमान लखवी पाकिस्तान की जेल में बंद है। उसे 2008 के मुंबई हमलों में उसकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था। हालांकि इतने वर्षों से जेल में बंद होने के बावजूद जकी उर रहमान लखवी के खिलाफ मुकदमा शुरू नहीं हो सका है। इससे साफ पता चलता है कि पाकिस्तान का आतंकवाद के प्रति कैसा रवैया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चार से पांच आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पहलगाम का आतंकी हमला बीते 25 साल में पर्यटकों पर हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला बताया जा रहा है। हमले की सूचना मिलते ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देर रात ही जम्मू कश्मीर के लिए रवाना हो गए थे।

अमेरिकी हमलों के बीच हूती विद्रोहियों की इस्राइल को चुनौती, कई शहरों पर दागी मिसाइलें

तेल अवीव, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को इस्राइल पर मिसाइल हमला किया। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका द्वारा लगातार हूती विद्रोहियों को निशाना बनाया जा रहा है। हूतियों के हमलों के चलते इस्राइल के हाइफा, क्रयोट और अन्य इलाकों में सायरन बज उठे, जिससे लोगों में दहशत फैल गई और लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। इस्राइली सेना का कहना है कि हमले में किसी नुकसान की खबर नहीं है और संभवतः मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर दिया गया। हूतियों ने अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। अमेरिका द्वारा हूतियों पर बीती 15 मार्च से ही हमले किए जा रहे हैं। इसके बावजूद हूती अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने भी अभी तक इस्राइल पर हूतियों के हमले को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है। हूतियों द्वारा इस्राइल के गाजा पर हमले के विरोध में लाल सागर इलाके में अतंरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया रहा है। जिसमें कई बार यमन में हूतियों के ठिकानों पर अमेरिका ने हवाई हमले किए। हूतियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। नवंबर 2023 से इस साल जनवरी तक हूतियों ने लाल सागर में 100 से अधिक व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया और दो जहाजों को डुबो दिया। इस दौरान चार नाविक मारे गए।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजराइल भारत के साथ खड़ा है : विदेश मंत्री गिदोन सार

येरुशलम, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए घृणित आतंकवादी हमले की भारत में इजराइल दूतावास के प्रवक्ता गाइ नीर ने निंदा की है, उन्होंने भारत के साथ इजराइल की मजबूत एकता पर जोर दिया है. गाइ नीर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए घृणित आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हूं. मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं. आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजराइल भारत के साथ खड़ा है. भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने भी हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के संघर्ष में सुरक्षा बलों के प्रति समर्थन व्यक्त किया. रियुवेन अजार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले से दुखी और स्तब्ध हूं, जिसमें निर्दोष नागरिकों की जान चली गई. हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं और हमारा समर्थन आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में सुरक्षा बलों के साथ है. इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इस घटना को जघन्य आतंकी हमला करार दिया. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने संदेश में कहा कि इजराइल आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुट है. उन्होंने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की. पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किया गया यह हमला मंगलवार को हुआ. हमले के बाद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से टेलीफोन पर बात की और उन्हें घटना के जवाब में सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया. पीएम मोदी ने गृह मंत्री को व्यक्तिगत रूप से स्थिति का आकलन करने के लिए दक्षिण

कश्मीर के अनंतनाग जिले में हमले के स्थल का दौरा करने के लिए भी कहा है. सिंगापुर के उच्चायुक्त ने दुख व्यक्त किया इसके अलावा, भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त एचसी वोंग ने हमले पर दुख व्यक्त किया और घायलों तथा मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की. सिंगापुर इन इंडिया ने एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए निंदनीय हमले की खबर सुनकर स्तब्ध हूं. हमारी संवेदनाएं घायलों तथा मृतकों के परिवार के साथ हैं. अर्जेंटीना के राजदूत ने जताया दुख हमले के बाद, भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने आतंकवादी कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि अर्जेंटीना भारत के साथ खड़ा है. भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त एचसी वोंग ने भी हमले पर दुख व्यक्त किया, घायलों और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को झटका, बेल्जियम की कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका : ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम की एक अदालत ने मंगलवार को भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की जमानत याचिका खारिज कर दी। चोकसी 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी है। उनके वकील ने यह जानकारी दी।

चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम पुलिस ने एंटवर्प में गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई थी। चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि मंगलवार को अदालत की सुनवाई के दौरान उनके मुव्वकिल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, चोकसी अब जेल हिरासत से अपनी प्रत्यर्पण प्रक्रिया का विरोध करेंगे। चोकसी को पिछले साल बेल्जियम में पाया गया था, जहां वह नवंबर 2023 में चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के लिए पहुंचा था। चोकसी 2018 में भारत छोड़कर एंटिगुआ में रहने लगा और उसने कैरेबियाई देश की नागरिकता ले ली थी। हालांकि उसकी भारतीय नागरिकता वैध बताई जाती है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भारतीय एजेंसियों ने उसके प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत मुंबई की विशेष अदालत द्वारा 2018 और 2021 में जारी किए गए दो खुले गिरफ्तारी वारंट बेल्जियम के अधिकारियों के साथ साझा किए थे।

अब्रेगो गार्सिया निर्वासन मामले में ट्रंप प्रशासन को जज की फटकार, कहा- अदालती आदेशों की अनदेखी की जा रही

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अल सल्वाडोर के युवक अब्रेगो गार्सिया निर्वासन मामले में संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन अदालती आदेशों की अनदेखी कर रहा है और कानूनी प्रक्रिया में बाधा डाल रहा है। कोर्ट ने कहा कि अल साल्वाडोर की जेल से गलती से निर्वासित मैरीलैंड के युवक को मुक्त करने और उसे अमेरिका वापस भेजने के लिए उन्होंने जो भी कदम उठाए हैं, उनके बारे में जानकारी देने से इनकार करके ट्रंप प्रशासन बुरी नीयत से काम कर रहा है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश पाउला जिनिस ने कहा कि कई हफ्तों से प्रतिवादियों (ट्रंप प्रशासन) ने विशेषाधिकार के अस्पष्ट और निराधार दावों की आड़ में शरण ली है। उन्हें खोज में बाधा डालने और इस अदालत के आदेशों के अनुपालन से बचने के लिए एक ढाल के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्हें पता है कि न्यायालय को विशेषाधिकार के किसी भी दावे का समर्थन करने के लिए विशिष्ट कानूनी और तथ्यात्मक प्रदर्शन की आवश्यकता है। फिर भी उन्होंने बॉयलरप्लेट दावों पर भरोसा करना जारी रखा है। वह अब समाप्त होता है। उन्होंने प्रशासन को विवरण उपलब्ध कराने के लिए बुधवार शाम छह बजे तक का समय दिया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने लगभग दो सप्ताह पहले ट्रंप प्रशासन को साल्वाडोरन जेल से किल्मर अब्रेगो गार्सिया की अमेरिका वापसी का आदेश दिया था। व्हाइट हाउस ने इस दावे को खारिज कर दिया था कि गलती से उसे निर्वासित करने के बाद वह उसे वापस नहीं लाया सका। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह अल सल्वाडोर पर निर्भर है। हालांकि अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति ने भी कहा है कि उनके पास अब्रेगो गार्सिया को वापस करने की शक्ति नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने यह भी तर्क दिया है कि अब्रेगो गार्सिया को वापस करने के लिए उसने जो भी कदम उठाए हैं या उठा सकता है, उसके बारे में जानकारी अटॉर्नी-क्लाइंट विशेषाधिकार कानूनों, राज्य गुप्त कानूनों, सामान्य सरकारी विशेषाधिकार या अन्य गोपनीयता नियमों द्वारा संरक्षित है। वहीं जज जिनिस ने कहा कि बिना किसी तथ्य के उन दावों ने खोज दायित्वों का पालन करने से जानबूझकर और बुरे विश्वास से इनकार को दर्शाया है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप प्रशासन को निर्वासन मामलों के प्रति अपने दृष्टिकोण पर संघीय न्यायाधीश से तीखे आदेश का सामना करना पड़ा है। यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के तीन जजों के पैनल ने पिछले सप्ताह प्रशासन को फटकार लगाई थी। डेमोक्रेट और कानूनी विद्वानों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अदालती फैसलों की अनदेखी करके एक सांविधानिक संकट को भड़का रहे हैं, जबकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि समस्या न्यायाधीशों की है। पिछले महीने 29 वर्षीय साल्वाडोर के नागरिक अब्रेगो गार्सिया को मैरीलैंड में गिरफ्तार कर निर्वासित कर दिया गया था। जबकि 2019 में एक इमिग्रेशन जज ने उन्हें अल साल्वाडोर में निर्वासन से बचा लिया था। क्योंकि उन्हें वहां के स्थानीय गिरोहों द्वारा उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता था।

भारत और सऊदी अरब के बीच अंतरिक्ष, संचार, सेहत और डोपिंग शिक्षा पर अहम समझौते

जेद्दा, एजेंसी। भारत और सऊदी अरब ने रक्षा समेत दो नई मंत्रिस्तरीय समितियों का गठन किया है। दोनों पक्षों ने भारत में दो रिफाइनरियां स्थापित करने पर सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच द्विपक्षीय बातचीत में इन पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने अंतरिक्ष, डोपिंग रोधी शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार के क्षेत्रों में चार समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए। पीएम नरेंद्र मोदी और सलमान ने रणनीतिक साझेदारी परिषद की सह-अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच मित्रता को और मजबूत करना है। रणनीतिक साझेदारी परिषद की स्थापना द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री की 2019 की यात्रा के दौरान की गई थी। रक्षा सहयोग पर एक नई मंत्रिस्तरीय समिति बनाने का निर्णय एक आधिकारिक बयान के अनुसार, परिषद ने एसपीसी के अंतर्गत विभिन्न समितियों, उपसमितियों और कार्य समूहों के कार्यों की समीक्षा की, जिसमें राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों से संबंधित कार्य शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में रक्षा साझेदारी में हुई गहनता को प्रतिबिंबित करने के लिए- जिसमें संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम और रक्षा उद्योग में सहयोग शामिल है- दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग पर एक नई मंत्रिस्तरीय समिति बनाने का निर्णय लिया। दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए पर्यटन और सांस्कृतिक सहयोग पर एक नई मंत्रिस्तरीय समिति बनाने का फैसला किया, जिसने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण गति पकड़ी है।

सरकारी खाद्य सुरक्षा मेगा प्रोजेक्ट की वजह से बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हो रही है, जो विनाशकारी है

मेराउके, एजेंसी। सरकारी खाद्य सुरक्षा मेगा-प्रोजेक्ट की वजह से इंडोनेशिया में दुनिया के सबसे बड़े वन कटाई की आशंका जताई गई है. अगर ऐसा हुआ तो वहां के पारिस्थिकी तंत्र पर बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा. बताते चलें कि वनों की कटाई के पीछे की वजह ये है कि इंडोनेशिया अपने यहां से चावल के आयात को खत्म करना चाहता है. गौर करें तो इंडोनेशिया अशांत पूर्वी क्षेत्र में जैव ईंधन के लिए गन्ने की पैदावार को भी बढ़ावा दे रहा है. इंडोनेशिया साल 2025 के अंत तक चावल के आयात को पूरी तरह से समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. हालांकि सवाल पूछने पर कृषि मंत्रालय ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है.

लुप्तप्राय प्रजातियों और जकार्ता की जलवायु को भारी खतरा : इसको लेकर पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो ये यह दुनिया की सबसे बड़ी वनों की कटाई परियोजना बन सकती है. जिससे लुप्तप्राय प्रजातियों और जकार्ता की जलवायु को भारी खतरा हो सकता है. इस तरह से देखा जाए तो खाद्य सुरक्षा परियोजना का वास्तविक पैमाने का पता लगाना मुश्किल है. लेकिन इसका लक्ष्य ये है कि कम से कम दक्षिण पापुआ प्रांत के मेराउके में कई मिलियन हेक्टेयर चावल और गन्ना लगाने का है। जो कि बहुत बड़ा क्षेत्र होता है. इस योजना से जुड़े वनों की कटाई पहले से ही चल रही है. पर्यावरण और स्वदेशी अधिकारों के लिए काम करने वाले एनजीओ यायासन पुसाका बेंटाला राक्यत के फ्रेंकी सैम्परेंटे का कहना है कि बीते साल साल के अंत तक 11,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र साफ हो चुका था.

फ्रेंकी सैम्परेंटे ने एएफपी को बताया, लेकिन इस मामले में, यह वास्तव में राज्य कह रहा है कि हम अपने कुछ बचे हुए जंगलों, कार्बन-समृद्ध

पीटलैंड और दुर्लभ जानवरों के आवास को साफ करना चाहते हैं. सरकार कहती है कि बंजर और अनुपजाऊ भूमि पर हो रही है चावल की खेती इंडोनेशिया सरकार का कहना है कि जिस पर चावल उगाने की बात आती है. वो भूमि बंजर की है. इस भूमि पर पहले से ही खेती हो रही है. या उसे अनुकूलन की जरूरत है. इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों को दलदल से अधिक कुछ नहीं बताया गया है, जहां पर चावल की खेती की जा रही हैा. वहीं विरोध कर रहे पर्यावरणविदों का तर्क है कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को सही तरीके से समझा नहीं जा रहा है. साथ ही उन्हें कमतर आंका जाता है. मेगा फूड परियोजना से व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को खतरा वहीं माइटी अर्थ द्वारा किए गए मानचित्रण से पता चलता है कि इस मेगा फूड परियोजना से व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को खतरा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में मृतक की पत्नी द्वारा की गई VIP सुरक्षा की बात सही साबित हुई

भाजपा कार्यालय पर पुलिस बंदोबस्त तैनात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पहलगाम में सूरत समेत देश के अन्य राज्यों के पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की चारों ओर निंदा हो रही है। इस हमले में सूरत के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उनकी अंतिम यात्रा के दौरान मृतक की पत्नी ने केंद्रीय मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए और सरकार से तीखे सवाल किए।

इस घटना के कुछ समय बाद उधना स्थित भाजपा कार्यालय पर पुलिस की तैनाती कर दी गई, जिससे यह मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। भाजपा कार्यालय के बाहर पुलिस की गाड़ी और स्टाफ की मौजूदगी देखकर सूरत में यह चर्चा शुरू हो गई कि हमला तो कश्मीर में हुआ, लेकिन पुलिस बंदोबस्त भाजपा कार्यालय पर क्यों किया गया?

अंतिम यात्रा के दौरान मृतक शैलेषभाई की पत्नी शीतल कथलिया ने भावुक होकर गंभीर आरोप लगाए, जिससे केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल भी मौन रह गए। वहीं, आतंकवादी हमले को लेकर जनता के गुस्से को देखते हुए उधना स्थित भाजपा कार्यालय पर कड़ी सुरक्षा तैनात कर दी गई है। बताया जा रहा है कि दोपहर बाद से ही भाजपा कार्यालय पर सघन सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई।

हालांकि भाजपा की ओर से पुलिस बंदोबस्त को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिसके चलते तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, पुलिस की

गतिविधियों को देखकर वहां से गुजरने वाले आम नागरिकों में भी चर्चा का माहौल बन गया है।

शैलेषभाई की अंतिम यात्रा में कई नेता भी शामिल हुए थे। इस दौरान अपनी आंखों के सामने पति को खोने वाली शीतलबेन का गुस्सा सिर्फ आतंकवादियों पर ही नहीं, बल्कि सरकार की व्यवस्था पर भी फूट पड़ा। उन्होंने सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर कई तीखे सवाल उठाए। जब शीतलबेन ने नेताओं से धारदार सवाल किए, तो चारों ओर सन्नाटा छा गया और नेताओं के चेहरे देखने लायक हो गए। शैलेष कथलिया की अंतिम यात्रा में केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल, राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी, सांसद मुकेश दलाल, विधायक कुमार कानाणी और विनु मोरडिया भी शामिल हुए थे। इन नेताओं की मौजूदगी में ही मृतक की पत्नी शीतलबहन ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठाए, जिनका जवाब नेता नहीं दे सके।

पाटिल की मौजूदगी में शीतलबहन ने भावुक होकर कहा,

"इन बच्चों का भविष्य क्या होगा? बेटे को इंजीनियर बनाना है, बेटी को डॉक्टर बनाना है। मैं कैसे बना पाऊंगी? मुझे न्याय चाहिए, मेरे बच्चों का भविष्य बर्बाद नहीं होना चाहिए। मेरे पति की इतनी वर्षों की नौकरी में आपने सैलरी से टैक्स काटा है, और ऊपर से हम कुछ भी खरीदें, कहीं भी जाएं तो फिर से टैक्स देना पड़ता है—टोल टैक्स, हर तरह का टैक्स। जब मेरे पति को जरूरत थी, तब कोई सुविधा नहीं मिली। मुझे इसका न्याय चाहिए।"

टैक्स पे करते हैं तो उनकी जान की कोई अहमियत नहीं? सरकार को सिर्फ अपनी सुविधाएं चाहिए

सूरत के मृतक की पत्नी ने नेताओं को करारा सवाल पूछा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जम्मू कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में आतंकवादी हमले में भावनगर के दो और सूरत के एक सहित 28 लोगों की जान चली गई। इस हमले के बाद सूरत के मृतक शैलेष कळथिया की अंतिम यात्रा निकाली गई। शैलेष कळथिया का पार्थिव शरीर उनके भाई के घर लाया गया, जहां गहरी शोक की लहर थी। शैलेषभाई की अंतिम यात्रा में कई नेता भी शामिल हुए थे। इस दौरान अपनी आंखों के सामने पति को खोने वाली शितलबेण का गुस्सा आतंकवादियों के साथ-साथ

सरकार की व्यवस्था पर भी फूट पड़ा था। उन्होंने सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल उठाए थे। शितलबेण के नेताओं से तीखे सवाल पूछने के बाद चारों ओर चर्चा का माहौल था, और नेता चुपचाप खड़े थे।

मृतक शैलेष कळथिया की अंतिम यात्रा में केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटील, राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी, सांसद मुकेश दलाल, विधायक कुमार कानानी और विनु मोरडिया शामिल हुए थे। इन नेताओं के सामने ही मृतक की पत्नी शितलबेण ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठाए थे, जिनका जवाब नेता नहीं दे सके। पाटील की मौजूदगी में मृतक शैलेष कळथिया की पत्नी शितलबेण ने कहा, "इन बच्चों का भविष्य क्या होगा? मुझे बेटे को इंजीनियर और बेटी को डॉक्टर बनाना है, मैं कैसे बना पाऊंगी? मुझे न्याय चाहिए, मेरे बच्चों का भविष्य खराब नहीं होना चाहिए। आपने मेरे पति की इतनी लंबी सेवा के दौरान टैक्स काटकर वेतन दिया है, और हम जब भी कुछ खरीदते हैं या कहीं जाते हैं तो टैक्स, टोल टैक्स सब आप हमसे लेते हैं। लेकिन जब मेरे घरवालों को जरूरत थी, तो कोई सुविधा नहीं मिली। मुझे न्याय चाहिए।"

"सब कुछ पता चलने के बाद फोटो खिंचवाने आते हो?"

सांसद सहित नेताओं के खिलाफ शितलबेण जो गुस्सा निकाल रही थीं, उन्हें रोकने के लिए कुछ लोगों ने प्रयास भी किया, और ऐसा लगा कि नेता भी वहां से जाने का मन बना रहे थे। लेकिन शितलबेण ने कहा, "नहीं सर, आपको सुनना ही होगा। जब सब कुछ पता चल जाता है, तब हमारी सरकार आकर फोटो खिंचवाती है और कहती है कि आर्मी ऑफिसर यहां थे, पुलिस ऑफिसर यहां थे, नेता भी आए थे। फिर उनका क्या मतलब है? सरकार पर भरोसा करके हम वहां (कश्मीर) गए थे।"

"सबके लिए मुझे न्याय चाहिए।"

शितलबेण ने अंतिम यात्रा में भाग लेने वाले सभी लोगों से स्पष्ट शब्दों में कहा, च्मुझे न्याय चाहिए। यह सिर्फ मेरे बच्चों और पति के लिए नहीं, बल्कि जितने लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, उनके लिए मुझे न्याय चाहिए। सबके बच्चों का भविष्य होना चाहिए।ज्ज उन्होंने मोदी सरकार से एक अपील करते हुए कहा, "इस हमले में हमने अपना आधार स्तंभ खो दिया है, हमें न्याय चाहिए।"

मिल रही जानकारी के अनुसार, शैलेषभाई अपनी पत्नी और परिवार के साथ कश्मीर अपने जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए गए थे। शैलेषभाई की बेटी ने 12वीं की परीक्षा पास की थी और उसे घूमने के लिए कश्मीर लेकर गए थे। जहां बेसरन घाटी में शैलेषभाई आतंकवादी हमले का शिकार हो गए। पत्नी और बच्चों की आँखों के सामने ही शैलेषभाई को गोली मारी गई थी।

"कश्मीर नहीं, बल्कि सरकार और सुरक्षा पर सवाल..."

आतंकवादी हमले में मारे गए शैलेष कळथिया की पत्नी की व्यथा शैलेष कळथिया की पत्नी ने कहा, "यह कश्मीर में नहीं, बल्कि सरकार और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाने की बात है। मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि हम कश्मीर गए, बल्कि मुझे इस बात की चिंता है कि हमें सुरक्षा नहीं दी गई। अगर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था होती तो यह हमला न होता। मैं अपने पति को खो चुकी हूं, लेकिन मेरे बच्चों का भविष्य भी अब दांव पर है। मुझे न्याय चाहिए, और यह न्याय सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि सभी मृतकों के परिवारों के लिए है। सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।"

जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार (22 अप्रैल, 2025) को हुए आतंकवादी हमले में तीन गुजरातियों की मौत हो गई। इस आतंकी हमले का शिकार हुए सूरत के शैलेषभाई कळथिया की आज (24 अप्रैल) सुबह अंतिम यात्रा निकली। शैलेषभाई कळथिया की अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान मृतक शैलेषभाई की पत्नी शीतलबेन ने केंद्रीय मंत्री के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा, "कश्मीर में कुछ भी गलत नहीं है, सरकार और सुरक्षा बल क्या कर रहे थे?"

शैलेषभाई कळथिया के पार्थिव शरीर को बुधवार (23 अप्रैल) को सुरत लाया गया था और सुरत स्मीमर अस्पताल में उनके शरीर को कोल्ड स्टोरेज में रखा गया था। इस दौरान अस्पताल में पुलिस बंदोबस्त भी किया गया था। अंतिम संस्कार के लिए शैलेषभाई के पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान पर लाने के साथ ही परिजनों के भारी शोक के कारण वातावरण में गमगीनता छा गई। आज सुबह शैलेषभाई के घर से उनकी अंतिम यात्रा निकली। अंतिम क्रिया में भाग लेने के लिए केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी भी पहुंचे थे। इसके साथ ही राज्य मंत्री प्रफुल पांसेरिया, विधायक वीनु मोर्डिया, विधायक कुमार कानानी सहित अन्य नेता भी उनकी अंतिम क्रिया में शामिल होने के लिए पहुंचे थे।

शैलेष कळथिया की पत्नी ने उनकी अंतिम यात्रा से पहले अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा, "जब आतंकवादी हमला करने आए, तब उन्होंने मुस्लिमों को कुछ नहीं किया और जितने हिन्दू थे, उन्हें अलग करके सभी को गोली मार दी। और जब तक वे मरे नहीं, तब तक वह आतंकवादी हंसते हुए खड़ा रहा। कश्मीर का नाम बदनाम किया जा रहा है, लेकिन कश्मीर में कोई समस्या नहीं है, समस्या हमारी सरकार और सुरक्षा में है। ऐसी जगह पर, जहां इतने सारे पर्यटक थे, वहाँ भी कोई सेना, पुलिस या मेडिकल कैम्प नहीं था। हम सरकार और सेना पर विश्वास रखकर घूमने गए थे।"

"मुझे न्याय चाहिए..."

नेताओं की मौजूदगी में शीतलबेन ने कहा, "नहीं सर, आपको सुनना ही होगा। जब सब कुछ खत्म हो जाता है, तो हमारी सरकार आकर फोटो खिंचवाती है और कहती है कि, आर्मी अफसर यहाँ थे, पुलिस अफसर यहाँ थे, नेता भी आए थे। लेकिन मेरे एक बेटे और पति के लिए नहीं, जितने लोग मारे गए हैं, उनके लिए मुझे न्याय चाहिए। सभी के बच्चों का भविष्य होना चाहिए।"

मृतक की पत्नी का आक्रोश, पाटिल निचे सिर करके सुनते रहे: "कश्मीर को बदनाम कर रहे हो, समस्या सरकार और सुरक्षा में है, टैक्सपेयर के पैसे से नेता हेलीकॉप्टर में उड़ते हैं और जनता की जान की कोई कीमत नहीं है।"

दीमापुर फर्जी लाइसेंस का केंद्र कैसे बना?

दीमापुर के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस का बयान लिया जाएगा।

क्राइम ब्रांच जांच के लिए नागालैंड जाएगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

हथियारों के फर्जी लाइसेंस के रैकेट की जांच के लिए अब सूरत क्राइम ब्रांच नागालैंड जाने की तैयारी में है। सूरत क्राइम ब्रांच अब तक 16 हथियार बरामद कर चुकी है और 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन लाइसेंसों को पुलिस ने जब्त किया है, उन पर सभी पर डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (DCP) का मोहर लगा हुआ था। सूरत क्राइम ब्रांच की टीम अब इसकी जांच के लिए नागालैंड के दीमापुर जाएगी और वहां के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस और रेंट एग्रीमेंट के 10 से अधिक स्थानों पर जांच करेगी।

DCP और ACP स्तर के अधिकारियों द्वारा स्थानीय कर्मचारियों से पूछताछ की जाएगी। साथ ही, जो एड्रेस दिखाकर रेंट एग्रीमेंट तैयार किए गए थे, उनकी वहां उपस्थिति की भी जांच की जाएगी।

दीमापुर फर्जी लाइसेंस का केंद्र कैसे बना?

दीमापुर शहर लंबे समय से फर्जी हथियार लाइसेंस घोटाले का मुख्य केंद्र बन गया है। इसके पीछे कुछ कारण जिम्मेदार हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371(A) के तहत नागालैंड को विशेष स्वायत्तता प्राप्त है, जिसके कारण कई केंद्रीय कानून वहां सीधे लागू नहीं होते हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय शस्त्र लाइसेंस डेटाबेस (NDAL-ALIS) जैसी डिजिटल प्रणालियों से नागालैंड जुड़ा नहीं था, जिससे वहां अब भी मैन्युअल लाइसेंस की प्रक्रिया जारी है। मैन्युअल लाइसेंस में यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर (UIN) नहीं होता, न ही डिजिटल रिकॉर्ड होते हैं।

पिछले मुद्दों पर आधारित महत्वपूर्ण मामले :-

2016 में दिल्ली पुलिस ने दीमापुर के फर्जी लाइसेंस के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास 65 से अधिक ऐसे लाइसेंसों का लिंक मिला था। 2017 में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 21 हथियार लाइसेंस जब्त किए थे। इन लाइसेंसों के आधार पर मध्य प्रदेश की आर्डिनेंस फैक्ट्री से हथियार खरीदे गए थे। उदयपुर शहर में 3 लाख रुपये में लाइसेंस देने का खुलासा हुआ

जंबूसर में ढाढर नदी में नहाने गए एक बच्चे पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया

एक महीने में यह दूसरी ऐसी घटना है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के भरूच जिले की ढाढर नदी में मगरमच्छ की मौजूदगी और हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में जंबूसर के कुढल गांव में नदी में नहाने गए एक बच्चे पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। मगरमच्छ के हमले में बच्चा घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, इस प्रकार की यह एक महीने में दूसरी घटना है।

मिली जानकारी के अनुसार, भरूच के जंबूसर के कुढल गांव की नदी में 9 वर्षीय निलेश राठोड़ नामक बच्चा नहाने के लिए गया था। इस दौरान नदी में मगरमच्छ ने निलेश पर हमला कर दिया। मगरमच्छ के हमले में निलेश के पैर के हिस्से में चोट आई थी। पूरे घटनाक्रम के बाद 108 एंबुलेंस को बुलाया गया और घायल बच्चे को इलाज के लिए जंबूसर सब डिस्ट्रीक्ट अस्पताल भेजा गया।

भरूच में ढाढर नदी में मगरमच्छों की संख्या बढ़ रही है, और इस बीच जंबूसर में मगरमच्छ के हमले की एक महीने में दूसरी घटना सामने आई है। नदी में मगरमच्छों की आवाजाही को लेकर स्थानीय लोगों में डर का माहौल बन गया है।

श्रंद्धाजलि सभा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए सभी निर्दोष लोगो को श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा अश्रुपूरित श्रंद्धाजलि दी गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की इस अवसर पर गुरुवार को शाम साढ़े सात बजे से वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में श्रंद्धाजलि सभा का आयोजन किया गया। सैंकड़ों लोगों ने हाथ में दीपक जलाकर, भारत माता की जयकर लगाते हुए श्रंद्धाजलि अर्पित की। आयोजन में ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका, पूर्व अध्यक्ष रामप्रकाश रुंगटा, केदारमल अग्रवाल, ओम सिहोटिया सहित कार्यकारिणी के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

कादरशा की नाल में पालिका द्वारा बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाए गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगरपालिका के अतिक्रमण के लिए कुख्यात कादरशा की नाल इलाके में पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। आज सुबह से ही सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाने का काम शुरू किया गया था। कुछ प्रभावशाली अतिक्रमणकारियों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन पालिका ने सख्ती से कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटा दिया।

इस कार्रवाई के बाद, अन्य इलाकों में अतिक्रमण की समस्या झेल रहे लोगों ने भी मांग की है कि उनके क्षेत्रों में भी इसी तरह सख्ती से अतिक्रमण हटाया जाए।

सूरत पालिका के सेंट्रल ज़ोन में कादरशा की नाल इलाका अतिक्रमण के लिए कुख्यात है। यहां मेट्रो का कार्य चल रहा है और सड़कें संकरी हैं, फिर भी कुछ प्रभावशाली अतिक्रमणकारी सड़क पर अवैध कब्जा कर व्यापार कर रहे हैं। इस मामले में लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन आज अचानक पालिका प्रशासन नींद से जागा और सड़क पर बने इन गैरकानूनी अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई शुरू की।

हाउसिंग बोर्ड की दुकान दिलवाने के बहाने केमिकल व्यापारी के साथ 41 लाख रुपये की ठगी

हितेश धरिया पहले नगरपालिका में सफाई कर्मचारी था,दंपत्ति के खिलाफ मामला दर्ज।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

हितेश धरिया पहले नगरपालिका में सफाई कर्मचारी था, उसके खिलाफ रांदेर में भी ठगी के दो मामले दर्ज किए गए थे। विश्वास दिलाने के लिए उसने गुजरात हाउसिंग के प्रमुख की सिग्नेचर और मोहर वाला फर्जी पत्र भी व्यापारी को दिया था।

गुजरात हाउसिंग बोर्ड की पंडित दीनदयाल नगर की चलती योजना के तहत भेसाण में दुकान दिलवाने के बहाने केमिकल व्यापारी सहित तीन लोगों से 41 लाख रुपये ठगने वाला हितेश धारिया दंपत्ति के खिलाफ पांदेसरा पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है।

मुंबई निवासी जिगर पारिख पांदेसरा जीआईडीसी में केमिकल फैक्ट्री के मालिक हैं। उन्हें गोदाम के लिए दुकान की आवश्यकता थी, इस पर जिगर के पिता शरदभाई ने रिश्तेदार धनेश पारिख से बात की थी। धनेश पारिख ने हितेश धारिया से मुलाकात करवाई। हितेश ने बताया कि वह नगरपालिका में नौकरी करते हैं (पहले सफाई कर्मचारी के रूप में) और पंडित दीनदयाल नगर की योजना में दुकान दिलवाने का वादा किया। उसने उन्हें दो दुकानें दिलवाने का लालच दिया और एक दुकान के लिए 14.16 लाख रुपये का लालच दिया। बाद में इस दंपत्ति ने जिगर पारिख से 27,84,008 रुपये की रकम ली। जिगर ने कब्जा देने के लिए कहा तो हितेश ने पंडित दीनदयाल नगर गुजरात हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और खजांची के हस्ताक्षर और मोहर वाला फर्जी पत्र भी दिया। दस्तावेज के नाम पर हितेश ने बहाने बनाना शुरू किया। इसके बाद जिगर ने गुजरात हाउसिंग बोर्ड में जांच की तो पता चला कि उन्हें कोई दुकान आवंटित नहीं की गई थी।